"बिजनेस पोस्ट के अन्तर्गत डाक शुल्क के नगद भुगतान (बिना डाक टिकट) के प्रेषण हेतु अनुमत. क्रमांक जी.2-22-छत्तीसगढ़ गजट / 38 सि. से. भिलाई. दिनांक 30-05-2001."

पंजीयन क्रमांक
"छत्तीसगढ़/दुर्ग/09/2013-2015."

छत्तीसगढ़ राजपत्र

(असाधारण)
प्राधिकार से प्रकाशित

क्रमांक 489] रायपुर, मंगलवार, दिनांक 3 सितम्बर 2024 — भाद्रपद 12, शक 1946

उच्च शिक्षा विभाग
मंत्रालय, महानदी भवन, नवा रायपुर अटल नगर

अटल नगर, दिनांक 23 अगस्त 2024

अधिसूचना

क्रमांक एफ 3–11/2022/38–2.— छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग, रायपुर के पत्र क्रमांक 775/पी.यू. 07/प्र.परिनियम/2015/20476, दिनांक 25–07–2024 द्वारा ओ.पी. जिन्दल विश्वविद्यालय, ओ.पी. जिन्दल नॉलेज पार्क, ग्राम–पुंजीपथरा, तहसील–घरघोड़ा, जिला–रायगढ़ (छत्तीसगढ़) के अनुगामी अध्यादेश क्रमांक 32 का अनुमोदन छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय (स्थापना एवं संचालन) अधिनियम, 2005 की धारा 29 (2) के तहत् किया गया है।

2. राज्य शासन, एतद्द्वारा, उपरोक्त अध्यादेश को राजपत्र में अधिसूचित किये जाने की स्वीकृति प्रदान करता है।

3. उपरोक्त अध्यादेश 1 जुलाई, 2024 से भूतलक्षी प्रभाव से प्रवृत्त होगा।

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
vkj-ih- ik.Mk;] उप–सचिव.

ओ. पी. जिंदल विश्वविद्यालय, रायगढ़ (छ.ग.)

अध्यादेश क्रमांक: 32

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत यूजीसी, द्वारा जारी दिशानिर्देशों के अनुसार बीसीआई/ पीसीआई/ एमसीआई/ आईसीएआर आदि द्वारा शासित/विनियमित/अनुमोदित या अन्य किसी विषिष्ट कार्यक्रम से संबंधित कोई अन्य नियामक निकाय को छोड़कर सभी सर्टिफिकेट, डिप्लोमा, स्नातक और स्नातकोत्तर कार्यक्रमों के लिए अध्यादेश लागू है।

1. संक्षिप्त शीर्षक और प्रारंभ

अध्यादेश को बीसीआइ/पीसीआई/ एमसीआई/ आईसीएआर आदि द्वारा शासित / विनियमित / अनुमोदित को छोड़कर, राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत यूजीसी नई दिल्ली द्वारा जारी दिशानिर्देशों के अनुसार सभी सर्टिफिकेट, डिप्लोमा, स्नातक और स्नातकोत्तर कार्यक्रमों के लिए अध्यादेश कहा जाएगा जो कि बी.सी.आई. को छोड़कर है।

1.1 यह अध्यादेश 2024–25 शैक्षणिक सत्र से लागू होगा।

1.2 इस अध्यादेश का प्रावधान बीसीआई/ पीसीआइ/ एमसीआई/ आईसीएआर आदि द्वारा शासित / विनियमित / अनुमोदित या अन्य को छोड़कर, ओ. पी. जिंदल विश्वविद्यालय के नियम संख्या 16 के अनुसार अनुमोदित तीन वर्षीय/ छह सेमेस्टर स्नातक डिग्री या चार वर्षीय / आठ सेमेस्टर स्नातक डिग्री (ऑनर्स /शोध), एक वर्षीय / दो सेमेस्टर या दो वर्षीय / चार सेमेस्टर स्नातकोत्तर डिग्री संकाय पर लागू होगा।

1-3 संकाय एवं स्नातक/ स्नातकोत्तर कार्यक्रम विस्तृत रूप में टेबल 1 में दिया गया है.

तालिका : 1

क्रमांक	संकाय	कार्यक्रम
1	विज्ञान	बी.एससी./ बैचलर ऑफ साइंस एम.एससी./मास्टर ऑफ साइंस पी. एच. डी.
2	इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी	बी.टेक./बैचलर ऑफ टेक्नोलॉजी एम.टेक./ मास्टर ऑफ टेक्नोलॉजी पी. एच. डी.
3	प्रबंधन विज्ञान	बी.कॉम./ बैचलर ऑफ कॉमर्स बीबीए / बैचलर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन बीए इन इकोनॉमिक्स/बैचलर ऑफ आर्ट्स इन इकोनॉमिक्स एमबीए / मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन एम.कॉम./ मास्टर ऑफ कॉमर्स पी. एच. डी.
4	शिक्षा	बीए इन एजुकेशन एमए इन एजुकेशन पी. एच. डी.
5	शारीरिक शिक्षा	बैचलर ऑफ फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स मास्टर ऑफ फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स पी. एच. डी.

2..परिभाषा एवं मुख्य शब्द

2.1 **"अधिनियम"** का तात्पर्य छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय (स्थापना एवं संचालन) अधिनियम 2005 एवं उसके बाद के संशोधनों से है।

2.2 **"विश्वविद्यालय"**का अर्थ है छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय (स्थापना एवं संचालन) अधिनियम 2005 के तहत स्थापित ओ. पी. जिंदल विश्वविद्यालय, छत्तीसगढ़।

2.3 **"छात्र"**का अर्थ वह व्यक्ति है जिसे समय–समय पर स्नातक डिग्री पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए ओ. पी. जिंदल विश्वविद्यालय द्वारा तय की गई प्रक्रिया के अनुसार इस विश्वविद्यालय के स्नातक पाठ्यक्रम में प्रवेश दिया गया है।

2.4 **"च्वाइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम (सीबीसीएस)"**का अर्थ एक ऐसा पाठ्यक्रम है जो छात्रों को निर्धारित पाठ्यक्रमों (कोर पाठ्यक्रम, अनिवार्य पाठ्यक्रम, प्रोफेशनल कोर, प्रोफेशनल इलेक्टिव, ओपन इलेक्टिव, माइनर ट्रैक, वैल्यू एडेड, स्किल एनहांसमेंट कोर्स आदि) में से यूजीसी/प्रासंगिक नियामक निकायों द्वारा जारी दिशा–निर्देशों के अनुसार, जहां भी लागू हो और विश्वविद्यालय के उपयुक्त निकायों द्वारा अनुमोदित हो, चयन करने का विकल्प प्रदान करता है।

2.5 **"पाठ्यक्रम"** का अर्थ वितरण के विभिन्न तरीकों के माध्यम से "पेपर" है और यह एक पाठ्यक्रम का एक घटक है जैसा कि संबंधित पाठ्यक्रम संरचना में विस्तृत है।

2.6 **"क्रेडिट प्वाइंट"** का अर्थ किसी पाठ्यक्रम के लिए ग्रेड प्वाइंट और क्रेडिट की संख्या का उत्पाद है।

2.7 **"क्रेडिट"** का अर्थ एक इकाई है जिसके द्वारा पाठ्यक्रम कार्य को मापा जाता है। यह प्रति सप्ताह आवश्यक निर्देशों के घंटों की संख्या निर्धारित करता है। एक क्रेडिट प्रति सप्ताह एक घंटे के शिक्षण (व्याख्यान, सेमिनार) या प्रति सप्ताह दो घंटे के व्यावहारिक कार्य/ट्यूटोरियल/फील्ड कार्य/प्रोजेक्ट आदि के बराबर है। प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए क्रेडिट की संख्या संबंधित परीक्षा योजना में परिभाषित की जाएगी।

2.8 **"संचयी ग्रेड प्वाइंट औसत (सीजीपीए) "** का अर्थ सभी सेमेस्टर में एक छात्र के समग्र संचयी प्रदर्शन का माप है। सीजीपीए संबंधित सेमेस्टर तक पंजीकृत विभिन्न पाठ्यक्रमों में एक छात्र द्वारा प्राप्त कुल क्रेडिट अंकों का अनुपात है और उन संबंधित सेमेस्टर में सभी पंजीकृत पाठ्यक्रमों के कुल क्रेडिट अंकों का योग है। इसे दो दशमलव स्थानों तक व्यक्त किया जाता है।

2.9 **"सेमेस्टर ग्रेड पॉइंट एवरेज (एसजीपीए) "** का अर्थ किसी विशेष सेमेस्टर में छात्र के प्रदर्शन का माप है। यह एक सेमेस्टर में पंजीकृत विभिन्न पाठ्यक्रमों में एक छात्र द्वारा प्राप्त कुल क्रेडिट अंकों और उस सेमेस्टर में सभी पाठ्यक्रमों के कुल क्रेडिट का अनुपात है। इसे दशमलव के दो स्थानों तक व्यक्त किया जाएगा।

2.10 **"ग्रेड वाइंट "**का अर्थ है 10–पॉइंट स्केल पर या समय–समय पर विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित प्रत्येक अक्षर ग्रेड के लिए आवंटित संख्यात्मक भार।

2.11 **"लेटर ग्रेड"** का अर्थ किसी पाठ्यक्रम में छात्रों के प्रदर्शन का सूचकांक है। ग्रेड को O, A+, A, B+, B, C, P" और F अक्षरों से दर्शाया जाता है।

2.12 **"सेमेस्टर"**का अर्थ 14–20 सप्ताह के शिक्षण कार्य में फैला एक शैक्षणिक सत्र है। विषम सेमेस्टर आमतौर पर जुलाई से दिसंबर तक और सम सेमेस्टर जनवरी से जून तक निर्धारित किया जा सकता है।

2.13 **"ग्रेड शीट"** का अर्थ अर्जित ग्रेड के आधार पर एक प्रमाण पत्र है। प्रत्येक सेमेस्टर के बाद परीक्षा के लिए पंजीकृत सभी छात्रों को ग्रेड शीट जारी की जाएगी। ग्रेड शीट में पाठ्यक्रम विवरण (कोड, शीर्षक, क्रेडिट की संख्या, ग्रेड सुरक्षित) के साथ–साथ सेमेस्टर का एसजीपीए और उस सेमेस्टर तक अर्जित सीजीपीए शामिल होगा। अंतिम सेमेस्टर

ग्रेड शीट में आवंटित अधिकतम अंकों में से सभी सेमेस्टर में छात्र द्वारा प्राप्त अंकों का संचयी योग भी प्रतिबिंबित होगा, जिसके लिए पाठ्यक्रम के ग्रेड का मूल्यांकन किया गया था। हालाँकि, अंतिम परिणाम ग्रेड/सीजीपीए पर आधारित होगा।

2.14 **"प्रतिलेख"** का अर्थ पाठ्यक्रम के सफल समापन के बाद पाठ्यक्रम में सभी नामांकित छात्रों को जारी किया गया प्रमाण पत्र है। इसमें सभी सेमेस्टर का एसजीपीए और सीजीपीए शामिल है।

2.15 **"एनईपी"** का मतलब राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 है।

2.16 **"एनएसक्यूएफ"**का अर्थ एनईपी 2020 में परिभाषित राष्ट्रीय कौशल योग्यता ढांचा है।

2.17 **"एनएचईक्यूएफ"** का अर्थ एनईपी 2020 में परिभाषित "एनएचईक्यूएफ" राष्ट्रीय उच्च शिक्षा योग्यता ढांचा है।

2.18 **"यूसीएफ"** का अर्थ एनईपी 2020 में परिभाषित एकीकृत क्रेडिट स्तर है।

2.19 **"अंडरग्रेजुएट सर्टिफिकेट कोर्स"** का अर्थ है वे छात्र जिन्होंने एनएचईक्यूएफ स्तर 4.5/यूसीएफ स्तर 5 की आवश्यकता पूरी कर ली है।

2.20 **"अंडरग्रेजुएट डिप्लोमा कोर्स"** का अर्थ है वे छात्र जिन्होंने एनएचईक्यूएफ स्तर 5/ यूसीएफ6 की आवश्यकता पूरी कर ली है।

2.21 **"बैचलर डिग्री"** का अर्थ है वे छात्र जिन्होंने एनएचईक्यूएफ स्तर 5.5/यूसीएफ स्तर 7 की आवश्यकता पूरी कर ली है।

2.22 **"बैचलर डिग्री (ऑनर्स/रिसर्च)"** का अर्थ है वे छात्र जिन्होंने एनएचईक्यूएफ स्तर 6/यूसीएफ स्तर 8 की आवश्यकता पूरी कर ली है।

2.23 **"पोस्ट ग्रेजुएट डिग्री कोर्स"** 2–वर्षीय पीजी: 3–वर्षीय यूजी पाठ्यक्रम के बाद 2–वर्षीय पीजी में प्रवेश करने वाले छात्र।

2.24 **"पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा कोर्स"** पीजी पाठ्यक्रम के लिए, दो–वर्षीय पीजी पाठ्यक्रम में शामिल होने वालों के लिए केवल एक निकास बिंदु होगा। प्रथम वर्ष के अंत में बाहर निकलने वाले छात्रों को स्नातकोत्तर डिप्लोमा से सम्मानित किया जाएगा।

2.25 **"पाठ्यक्रम पंजीकरण"** का तात्पर्य उचित रिकॉर्ड बनाए रखने के लिए संस्थान में एक संकाय सलाहकार (जिसे सलाहकार, परामर्शदाता, कक्षा शिक्षक इत्यादि भी कहा जाता है) की देखरेख में प्रत्येक छात्र द्वारा प्रत्येक सेमेस्टर में अध्ययन के पाठ्यक्रमों के पंजीकरण से है।

2.26 **"पाठ्यक्रम मूल्यांकन"** शिक्षण–झुकाव प्रक्रिया के प्रभाव के माप का प्रतिनिधित्व करता है और पाठ्यक्रमों और शिक्षण प्रदर्शन में सीखने की गुणवत्ता में सुधार करने का अवसर प्रदान करता है। पाठ्यक्रम का मूल्यांकन कुछ मॉड्यूल या पाठ्यक्रम सामग्री के अध्यायों के अंत में और सेमेस्टर के अंत में शिक्षण–सीखने की अवधि के दौरान परीक्षण, क्विज, असाइनमेंट इत्यादि जैसे विभिन्न तरीकों को अपनाकर किया जाता है। जबकि मूल्यांकन के पूर्व भाग को सतत आंतरिक मूल्यांकन कहा जाता है और मूल्यांकन के बाद के भाग को अंतिम सेमेस्टर मूल्यांकन कहा जाता है।

2.27 **"सीबीसीएस"** प्रत्येक पाठ्यक्रम में क्रेडिट की एक निर्धारित संख्या होती है। क्रेडिट पाठ्यक्रम संरचना पर आधारित होते हैं, जिसमें शिक्षण मोड और व्याख्यान, ट्यूटोरियल और व्यावहारिक कक्षाओं के लिए संपर्क घंटों की संख्या शामिल है। क्रेडिट संपर्क घंटों की संख्या, पाठ्यक्रम सामग्री और शिक्षण पद्धति और आवंटित अधिकतम अंकों पर आधारित होते हैं।

क्रेडिट विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान किया जाएगा। क्रेडिट की गणना इस प्रकार की जा सकती है:

- 12–15 सप्ताह तक प्रति सप्ताह एक घंटे का सिद्धांत/ ट्यूटोरियल, दो घंटे का प्रयोगशाला कार्य जिसके परिणामस्वरूप एक क्रेडिट प्रदान किया जाएगा।
- इंटर्नशिप के लिए क्रेडिट प्रशिक्षण के प्रति सप्ताह एक क्रेडिट होगा, जो एक सेमेस्टर में अधिकतम छह क्रेडिट के अधीन होगा।
- परियोजना/निबंध: 12–15 सप्ताह तक प्रति सप्ताह दो घंटे का परियोजना/अनुसंधान कार्य जिसके परिणामस्वरूप एक क्रेडिट प्रदान किया जाएगा।

2.28 **"एकेडमिक बैंक ऑफ क्रेडिट्स (एबीसी)"** एकेडमिक बैंक ऑफ क्रेडिट्स (एबीसी), एक राष्ट्रीय स्तर की सुविधा है जो उचित "क्रेडिट ट्रांसफर" तंत्र के साथ देश में उच्च शिक्षा संस्थानों (एचईआई) में छात्रों के पाठ्यक्रम ढांचे के लचीलेपन और अंत:विषय/बहुविषयक शैक्षणिक गतिशीलता को बढ़ावा देगी।

2.29 **"मल्टीपल एंट्री - एग्जिट""**मल्टीपल एंट्री - एग्जिट" का अर्थ है एचईआई में पेश किए जाने वाले शैक्षणिक कार्यक्रमों में कई प्रविष्टियां और निकास बिंदु जो कठोर सीमाओं को हटा देंगे और छात्रों के लिए नई संभावनाएं पैदा करेंगे। ऐसे अवसर आते हैं जब विभिन्न कारणों से विद्यार्थियों को अपनी शिक्षा बीच में ही छोड़नी पड़ती है। निर्धारित अवधि के भीतर लचीली शिक्षा की सुविधा के लिए, जरूरतमंद छात्रों को कई निकास और प्रवेश विकल्प दिए जाते हैं। छात्र केवल सम सेमेस्टर (दूसरे, चौथे और छठे सेमेस्टर) के अंत में ही पाठ्यक्रम से बाहर निकल सकता है और छात्रों को विषम सेमेस्टर (तीसरे, पांचवें और सातवें सेमेस्टर) की शुरुआत में प्रवेश का विकल्प प्रदान किया जाता है।

3. प्रवेश के लिए योग्यता

3.1 इन कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए प्रवेश नियम और दिशानिर्देश, यूजीसी एवं राज्यसरकार द्वारा समय–समय पर तैयार नियमों के अनुसार होगा।

3.2 जिस छात्र ने माध्यमिक शिक्षा मंडल, छत्तीसगढ़ से 12वीं कक्षा की परीक्षा या राज्य और केंद्र सरकार और संबंधित अन्य वैधानिक निकायों द्वारा मान्यता प्राप्त किसी अन्य बोर्ड से समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण की है, या संबंधित निकाय द्वारा निर्धारित पात्र शतों को पूरा करता है वह इन स्नातक कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए पात्र होगा।

सीटों की संख्या :

3.3 एक कार्यक्रम में छात्र नामांकन विष्वविद्यालय द्वारा आबंटित सीटों तक ही सीमित होगा। किसी स्नातक कार्यक्रम को शुरू करने के लिए छात्र का प्रवेष 60होना चाहिए और स्नातककोत्तर कार्यक्रम के लिए यह 40 होगा। मूल इकाई, इकाई के गुणन होंगे जिनका अनुमोदन प्रबंधन बोर्ड़ द्वारा किया जाएगा।

3.4 यह प्रविष्टि क्षमता विश्वविद्यालय द्वारा इस अध्यादेश की प्रावधानिकता के अनुसार पूर्वानुमानित की जाएगी और यह शैक्षिक सत्र 2024–25 से लागू होगी।

3.5 उपलब्ध शैक्षिक और भौतिक सुविधाओं के आधार पर, विश्वविद्यालय पहली डिग्री कार्यक्रम के दूसरे वर्ष, तीसरे वर्ष, चौथे वर्ष में लेटरल प्रवेशियों के लिए पिछले वर्ष की मंजूरी प्राप्त करने वाली सीटों का अधिकतम 10 प्रतिशत निर्धारित कर सकता है, यदि छात्रों ने किसी संसथान में उसी कार्यक्रम के पहले वर्ष दुसरे वर्ष ्तीसरे वर्ष को सफलता पूर्वक पूरा कर लिया है और सी जी पी यु आर सी को सुचना देकर पढाई में ब्रेक के बाद कार्यक्रम में फिर से प्रवेश करना चाहता है

3.6 अंतर्राष्ट्रीय छात्रों का प्रवेश और अतिरिक्त सीटें

1 विश्वविद्यालय अंतर्राष्ट्रीय छात्रों को उनके द्वारा धारित प्रवेश योग्यता की समतुल्यता के आधार पर प्रवेश दे सकता है। समतुल्यता का निर्धारण विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) या यूजीसी द्वारा इस उद्देश्य के लिए मान्यता प्राप्त किसी अन्य निकाय या देश के संबंधित नियामक निकायों द्वारा किया जाना है। विश्वविद्यालय अंतर्राष्ट्रीय छात्रों को प्रवेश देने के लिए पारदर्शी प्रवेश प्रक्रिया अपना सकता है।

2 विश्वविद्यालय स्नातक और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के लिए स्वीकृत कुल नामांकन के अतिरिक्त अंतर्राष्ट्रीय छात्रों के लिए 25% तक अतिरिक्त सीटें बना सकता है। 25% अतिरिक्त सीटों के बारे में निर्णय संबंधित उच्च शिक्षण संस्थानों द्वारा बुनियादी ढांचे, संकाय और अन्य आवश्यकताओं पर विचार करते हुए नियामक निकायों द्वारा जारी किए गए विशिष्ट दिशा–निर्देशों/विनियमों के अनुसार किया जाना चाहिए।

3 अंतर्राष्ट्रीय छात्रों के लिए 25% अतिरिक्त सीटों में संस्थानों के बीच या भारत सरकार और अन्य देशों के बीच समझौता ज्ञापन (एमओयू) के माध्यम से प्रस्तावित विनिमय कार्यक्रमों के तहत अंतर्राष्ट्रीय छात्र शामिल नहीं होंगे।

4 बुनियादी ढांचे और योग्य संकाय की उपलब्धता के आधार पर, जहां भी संभव हो, इन 25: सीटों को उच्च शिक्षण संस्थान के सभी विभागों, स्कूलों, केंद्रों या किसी अन्य शैक्षणिक इकाई के बीच वितरित करने का प्रयास किया जाना चाहिए।

5 स्नातक और स्नातकोत्तर दोनों ही कार्यक्रमों में अतिरिक्त सीटें केवल अंतरराष्ट्रीय छात्रों के लिए होंगी। अतिरिक्त श्रेणी में रिक्त रह गई सीट अंतरराष्ट्रीय छात्र के अतिरिक्त किसी अन्य को आवंटित नहीं की जाएगी। इस संदर्भ में अंतरराष्ट्रीय छात्रों को ऐसे व्यक्ति के रूप में परिभाषित किया जाएगा जिसके पास विदेशी पासपोर्ट होगा।

6 अंतर्राष्ट्रीय छात्रों के लिए अतिरिक्त सीटें बनाने के प्रावधान को समय–समय पर नियामक निकायों द्वारा जारी दिशा–निर्देशों/नियमों के अनुसार विश्वविद्यालय के वैधानिक निकाय /निकायों के अनुमोदन के माध्यम से औपचारिक रूप दिया जाना चाहिए।

3.7 अंतर्राष्ट्रीय छात्रों के लिए 10% अतिरिक्त सीटों में से उन अंतर्राष्ट्रीय छात्रों को शामिल नहीं किया जाएगा जो आदान–प्रदान कार्यक्रमों के तहत या/और संस्थाओं के बीच समझौते पर आ रहे हैं, या भारत सरकार और अन्य देशों के बीच के समझौते के माध्यम से आ रहे हैं।

3.8 राष्ट्रीय या अंतर्राष्ट्रीय छात्रों के इन कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए आवश्यक दस्तावेज (स्थानांतरण प्रमाण पत्र/अभ्यास कार्यालय/प्रवासन आदि) के मामले में नियामक निकायों द्वारा जारी दिशानिर्देशों के अनुसार होंगे या शैक्षिक परिषद द्वारा निर्धारित होंगे, जिन्हें प्रबंधन मंडल के पूर्व स्वीकृति से लागू किया जाएगा।

3.9 शैक्षणिक कार्यक्रमों में एकाधिक प्रवेश और निकास बिंदुओं को सक्षम करने के लिए सर्टिफिकेट, डिप्लोमा और डिग्री जैसी योग्यताएं स्तर 4.5 से स्तर 6 तक बढ़ते क्रम में स्तरों की एक श्रृंखला में आयोजित की जाती हैं। स्तर 4.5 सर्टिफिकेट का प्रतिनिधित्व करता है, स्तर 5 डिप्लोमा का प्रतिनिधित्व करता है, स्तर 5.5 स्नातक डिग्री को दर्शाता है और 8 बैचलर डिग्री (ऑनर्स/ ऑनर्स विथ रिसर्च) योग्यता को दर्शाता है (तालिका – 2) योग्यता और न्यूनतम क्रेडिट आवश्यकताएँ तालिका – 1 में दी गई हैं। स्नातक पाठ्यक्रम में प्रवेश करने वाले छात्रों के लिए प्रवेश और निकास विकल्प निम्नानुसार होंगे :

यूजी सर्टिफिकेट: जो छात्र पहले वर्ष के पूरा होने के बाद बाहर निकलने का विकल्प चुनते हैं और 40 क्रेडिट हासिल कर चुके हैं, उन्हें यूजी सर्टिफिकेट से सम्मानित किया जाएगा, यदि इसके अलावा, वे पहले वर्ष की गर्मी की छुट्टियों के दौरान 4 क्रेडिट का एक व्यावसायिक पाठ्यक्रम पूरा करते हैं। इन छात्रों को तीन साल के भीतर डिग्री पाठ्यक्रम में फिर से प्रवेश करने और सात साल की निर्धारित अधिकतम अवधि के भीतर डिग्री पाठ्यक्रम पूरा करने की अनुमति है।

यूजी डिप्लोमा: जो छात्र दूसरे वर्ष के पूरा होने के बाद बाहर निकलने का विकल्प चुनते हैं और 80 क्रेडिट हासिल कर चुके हैं, उन्हें यूजी डिप्लोमा से सम्मानित किया जाएगा, यदि इसके अलावा, वे दूसरे वर्ष की गर्मी की छुट्टियों के दौरान 4 क्रेडिट का एक व्यावसायिक पाठ्यक्रम पूरा करते हैं। इन छात्रों को तीन साल की अवधि के भीतर फिर से प्रवेश करने और अधिकतम सात साल की अवधि के भीतर डिग्री पाठ्यक्रम पूरा करने की अनुमति है।

3–वर्षीय यूजी डिग्री: जो छात्र 3–वर्षीय यूजी पाठ्यक्रम से गुजरना चाहते हैं, उन्हें तीन साल सफलतापूर्वक पूरा करने, 120 क्रेडिट हासिल करने और तालिका 2 में दी गई न्यूनतम क्रेडिट आवश्यकता को पूरा करने के बाद प्रमुख अनुशासन में यूजी डिग्री से सम्मानित किया जाएगा।

4–वर्षीय यूजी डिग्री (ऑनर्स): मेजर अनुशासन में चार–वर्षीय यूजी ऑनर्स डिग्री उन लोगों को प्रदान की जाएगी जो 160 क्रेडिट के साथ चार–वर्षीय डिग्री प्रोग्राम पूरा करते हैं और तालिका 2 में दी गई क्रेडिट आवश्यकताओं को पूरा करते हैं।

4–वर्षीय यूजी डिग्री (अनुसंधान के साथ ऑनर्स): जो छात्र पहले छह सेमेस्टर में 75% और उससे अधिक अंक प्राप्त करते हैं और स्नातक स्तर पर शोध करना चाहते हैं, वे चौथे वर्ष में एक शोध स्ट्रीम चुन सकते हैं। उन्हें विश्वविद्यालय/कॉलेज के किसी संकाय सदस्य के मार्गदर्शन में एक शोध परियोजना या शोध प्रबंध करना चाहिए। अनुसंधान परियोजना/शोध प्रबंध प्रमुख अनुशासन में होगा। जो छात्र एक शोध परियोजना/शोध प्रबंध से 12 क्रेडिट सहित 160 क्रेडिट हासिल करते हैं, उन्हें यूजी डिग्री (अनुसंधान के साथ ऑनर्स) से सम्मानित किया जाता है।

एकल मेजर के साथ यूजी डिग्री पाठ्यक्रम: एक छात्र को एकल मेजर से सम्मानित होने के लिए 3–वर्षीय /4–वर्षीय यूजी डिग्री के लिए प्रमुख अनुशासन से न्यूनतम 50% क्रेडिट सुरक्षित करना होगा।

डबल मेजर के साथ यूजी डिग्री प्रोग्राम: एक छात्र को डबल मेजर से सम्मानित होने के लिए 3–वर्षीय/4–वर्षीय यूजी डिग्री के लिए दूसरे प्रमुख अनुशासन से न्यूनतम 40% क्रेडिट सुरक्षित करना होगा।

अंतःविषय यूजी पाठ्यक्रम: मुख्य पाठ्यक्रमों के क्रेडिट को घटक विषयों/विषयों के बीच वितरित किया जाएगा ताकि अंतःविषय पाठ्यक्रम में मुख्य योग्यता प्राप्त की जा सके।

बहु–विषयक यूजी पाठ्यक्रम: अध्ययन के बहु–विषयक पाठ्यक्रम को अपनाने वाले छात्रों के मामले में, मुख्य पाठ्यक्रमों के क्रेडिट को जीवन विज्ञान, भौतिक विज्ञान, गणितीय और कंप्यूटर विज्ञान, डेटा विश्लेषण, सामाजिक विज्ञान, मानविकी, आदि जैसे व्यापक विषयों में वितरित किया जाएगा।

विश्वविद्यालय के वैधानिक निकाय जैसे अध्ययन बोर्ड और अकादमिक परिषद प्रमुख श्रेणी के तहत पाठ्यक्रमों की सूची और दोहरे प्रमुख, अंतःविषय और बहु–विषयक कार्यक्रमों के लिए क्रेडिट वितरण पर निर्णय लेंगे। प्रत्येक श्रेणी के अंतर्गत डिग्री प्रदान करने के लिए न्यूनतम क्रेडिट आवश्यकताएँ निम्नांकित है :

तालिका–2: योग्यता प्रकार और क्रेडिट आवश्यकताएँ

स्तर	योग्यता	न्यूनतम क्रेडिट आवश्यकताएँ

स्तर 4.5	अंडरग्रेजुएट प्रमाणपत्र (सीखने/विषय के क्षेत्र में) उन लोगों के लिए जो अंडरग्रेजुएट प्रोग्राम के पहले वर्ष (2 सेमेस्टर) के बाद बाहर निकलते हैं। (कार्यक्रम की अवधिः अंडरग्रेजुएट प्रोग्राम का पहला वर्ष या 2 सेमेस्टर)	36–40 क्रेडिट
स्तर 5	अंडरग्रेजुएट डिप्लोमा (सीखने/विषय के क्षेत्र में) उन लोगों के लिए जो अंडरग्रेजुएट प्रोग्राम के पहले दो वर्षों (4 सेमेस्टर) के बाद बाहर निकलते हैं। (कार्यक्रम की अवधिः अंडरग्रेजुएट प्रोग्राम के पहले दो वर्ष या 4 सेमेस्टर)	72–80 क्रेडिट
स्तर 5.5	स्नातक की डिग्री (उदाहरणः कला स्नातक; विज्ञान स्नातक; वाणिज्य स्नातक; व्यवसाय प्रशासन स्नातक, आदि) (कार्यक्रम की अवधिः तीन वर्ष या 6 सेमेस्टर)	108–120 क्रेडिट
स्तर 5.5	वयवसाय स्नातक (बी.वोक) (कार्यक्रम की अवधिः 3 वर्ष या 6 सेमेस्टर)	108–120 क्रेडिट
स्तर6	इंजीनियरिंग स्नातक (बी.ई.); प्रौद्योगिकी स्नातक (बी.टेक.) (कार्यक्रम की अवधिः चार वर्ष या 8 सेमेस्टर)	144–160 क्रेडिट
स्तर6	बी.ए., बी.एड.; बी.एससी., बी.एड.; बी.कॉम., बी.एड. (4–वर्षीय दोहरी डिग्री इंटीग्रेटेड शिक्षक शिक्षा कार्यक्रम)	144–160 क्रेडिट
स्तर6	स्नातक डिग्री (ऑनर्स/अनुसंधान के साथ ऑनर्स) (कार्यक्रम की अवधिः चार वर्ष या 8 सेमेस्टर)	144–160 क्रेडिट
स्तर6	स्नातकोत्तर डिप्लोमा। उन लोगों के लिए जो 2–वर्षीय मास्टर कार्यक्रम के पहले वर्ष या दो सेमेस्टर की सफलतापूर्वक समाप्ति के बाद बाहर निकलते हैं। (कार्यक्रम की अवधिः एक वर्ष या 2 सेमेस्टर)	36–40 क्रेडिट
स्तर6.5	मास्टर की डिग्री (जैसेः एम.ए.; एम.कॉम., एम.एससी.; आदि) (कार्यक्रम की अवधिः तीन वर्ष की स्नातक डिग्री प्राप्त करने के बाद दो वर्ष या चार सेमेस्टर)	72–80 क्रेडिट
स्तर6.5	मास्टर की डिग्री (जैसेः एम.ए.; एम.कॉम., एम.एससी.; आदि) (कार्यक्रम की अवधिः चार वर्ष की स्नातक (ऑनर्स/अनुसंधान के साथ ऑनर्स) डिग्री प्राप्त करने के बाद एक वर्ष या 2 सेमेस्टर)	36–40 क्रेडिट
स्तर7	मास्टर की डिग्री (जैसेः एम.ई.; एम.टेक. आदि) (कार्यक्रम की अवधिः बी.ई., बी. टेक. आदि स्नातक डिग्री प्राप्त करने के बाद दो वर्ष या चार सेमेस्टर)	72–80 क्रेडिट
स्तर8	डॉक्टोरल डिग्री	पाठ्यक्रम कार्य और, एक थीसिस और प्रकाशित कार्य

टिप्पणी :

i. ऑनर्स छात्र जो शोध नहीं कर रहे हैं वे एक शोध परियोजना/शोध प्रबंध के बदले में 12 क्रेडिट के लिए 3 पाठ्यक्रम करेंगे।

ii. यूजीसी/वैधानिक निकायों द्वारा प्रख्यापित दिशानिर्देशों के अनुसार, विश्वविद्यालय इस तरह से अतिरिक्त क्रेडिट आवंटित कर सकता है जिससे छात्रों को न्यूनतम क्रेडिट आवश्यकताओं को पूरा करने में सुविधा होगी।

4. स्नातक पाठ्यक्रम के पाठ्यचर्या संबंधी घटकः

पाठ्यक्रम में प्रमुख स्ट्रीम पाठ्यक्रम, लघु स्ट्रीम पाठ्यक्रम और अन्य विषयों के पाठ्यक्रम, भाषा पाठ्यक्रम, कौशल पाठ्यक्रम और पर्यावरण शिक्षा, भारत को समझना, डिजिटल और तकनीकी समाधान, स्वास्थ्य और कल्याण, योग शिक्षा और खेल पर पाठ्यक्रमों का एक सेट शामिल है। फिटनेस. दूसरे सेमेस्टर के अंत में, छात्र या तो चुने गए प्रमुख विषय को जारी रखने का निर्णय ले सकते हैं या प्रमुख विषय में बदलाव का अनुरोध कर सकते हैं। लघु स्ट्रीम पाठ्यक्रमों में व्यावसायिक पाठ्यक्रम शामिल हैं जो छात्रों को नौकरी–उन्मुख कौशल से लैस करने में मदद करेंगे।

5.अनुशासनात्मक/अंतःविषय मेजरः

मेजर, छात्र को किसी विशेष विषय या अनुशासन का गहन अध्ययन करने का अवसर प्रदान करेगा। छात्रों को पहले वर्ष के दौरान अंतःविषय पाठ्यक्रमों का पता लगाने के लिए पर्याप्त समय देकर दूसरे सेमेस्टर के अंत में व्यापक अनुशासन के भीतर प्रमुख बदलाव करने की अनुमति दी जा सकती है। सातवें सेमेस्टर में उन्नत स्तर के अनुशासनात्मक/अंतःविषय पाठ्यक्रम, अनुसंधान पद्धति में एक पाठ्यक्रम और एक परियोजना/शोध प्रबंध आयोजित किया जाएगा। अंतिम सेमेस्टर सेमिनार प्रस्तुति, तैयारी और परियोजना रिपोर्ट/शोध प्रबंध प्रस्तुत करने के लिए समर्पित होगा। परियोजना कार्य/शोध प्रबंध अध्ययन के अनुशासनात्मक पाठ्यक्रम के किसी विषय या अंतःविषय विषय पर होगा।

6.अनुशासनात्मक/अंतरविषयक माइनरः

छात्रों के पास चुने गए व्यावसायिक शिक्षा पाठ्यक्रम से संबंधित अनुशासनात्मक/अंतःविषय माइनर और कौशल–आधारित पाठ्यक्रमों में से पाठ्यक्रम चुनने का विकल्प होगा। जो छात्र चुने गए प्रमुख विषय के अलावा किसी अनुशासन या अध्ययन के अंतःविषय क्षेत्र में पर्याप्त संख्या में पाठ्यक्रम लेते हैं, वे उस अनुशासन में या अध्ययन के चुने हुए अंतःविषय क्षेत्र में लघु पाठ्यक्रम के लिए अर्हता प्राप्त करेंगे। एक छात्र विभिन्न पाठ्यक्रमों की खोज के बाद, दूसरे सेमेस्टर के अंत में लघु और व्यावसायिक स्ट्रीम की पसंद की घोषणा कर सकता है।

7.व्यावसायिक शिक्षा एवं प्रशिक्षणः

व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण सिद्धांत और व्यावहारिक के साथ–साथ कौशल प्रदान करने के लिए स्नातक पाठ्यक्रम का एक अभिन्न अंग बनेगा। व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण से संबंधित श्माइनरश स्ट्रीम के लिए न्यूनतम 12 क्रेडिट आवंटित किए जाएंगे और ये छात्र के प्रमुख या छोटे अनुशासन या पसंद से संबंधित हो सकते हैं। ये पाठ्यक्रम उन छात्रों के लिए नौकरी ढूंढने में उपयोगी होंगे जो पाठ्यक्रम पूरा करने से पहले ही बाहर निकल जाते हैं।

8.अन्य विषयों से पाठ्यक्रम (बहुविषयक) (9 क्रेडिट):

सभी यूजी छात्रों को नीचे दिए गए किसी भी व्यापक विषय से संबंधित 3 प्रारंभिक स्तर के पाठ्यक्रमों से गुजरना आवश्यक है। इन पाठ्यक्रमों का उद्देश्य बौद्धिक अनुभव को व्यापक बनाना और उदार कला और विज्ञान शिक्षा का हिस्सा बनना है। छात्रों को इस श्रेणी के तहत प्रस्तावित प्रमुख और लघु स्ट्रीम में उच्च माध्यमिक स्तर (12वीं कक्षा) में पहले से ही किए गए पाठ्यक्रमों को चुनने या दोहराने की अनुमति नहीं है।

8.1 प्राकृतिक और भौतिक विज्ञान: छात्र प्राकृतिक विज्ञान जैसे विषयों से बुनियादी पाठ्यक्रम चुन सकते हैं, उदाहरण के लिए, जीव विज्ञान, वनस्पति विज्ञान, प्राणीशास्त्र, जैव प्रौद्योगिकी, जैव रसायन, रसायन विज्ञान, भौतिकी, बायोफिजिक्स, खगोल विज्ञान और खगोल भौतिकी, पृथ्वी और पर्यावरण विज्ञान,माइक्रोबाइयलोजी, फॉरेंसिक विज्ञान आदि।

8.2 गणित, सांख्यिकी और कंप्यूटर अनुप्रयोग: इस श्रेणी के अंतर्गत पाठ्यक्रम छात्रों को अपने प्रमुख और छोटे विषयों में उपकरणों और तकनीकों का उपयोग करने और लागू करने की सुविधा प्रदान करेंगे। पाठ्यक्रम में पायथन जैसे प्रोग्रामिंग सॉफ्टवेयर और एसटीएटीए, एसपीएसएस, टैली आदि जैसे एप्लिकेशन सॉफ्टवेयर में प्रशिक्षण शामिल हो सकता है। इस श्रेणी के तहत बुनियादी पाठ्यक्रम डेटा विश्लेषण और मात्रात्मक उपकरणों के अनुप्रयोग में विज्ञान और सामाजिक विज्ञान के लिए सहायक होंगे।

8.3 पुस्तकालय, सूचना और मीडिया विज्ञानः इस श्रेणी के पाठ्यक्रम छात्रों को सूचना और मीडिया विज्ञान (पत्रकारिता, जन मीडिया और संचार) में हाल के विकास को समझने में मदद करेंगे।

8.4 वाणिज्य और प्रबंधन: पाठ्यक्रमों में व्यवसाय प्रबंधन, अकाउंटेंसी, वित्त, वित्तीय संस्थान, फिनटेक आदि शामिल हैं।

8.5 मानविकी और सामाजिक विज्ञान: सामाजिक विज्ञान से संबंधित पाठ्यक्रम, उदाहरण के लिए, मानव विज्ञान, संचार और मीडिया, अर्थशास्त्र, इतिहास, भाषा विज्ञान, राजनीति विज्ञान, मनोविज्ञान, सामाजिक कार्य, समाजशास्त्र, आदि छात्रों को व्यक्तियों और उनकेसामाजिक व्यवहार को समझने में सक्षम बनाएंगे। समाज और राष्ट्र छात्रों को भारत के लिए सर्वेक्षण पद्धति और उपलब्ध बड़े पैमाने के डेटाबेस से परिचित कराया जाएगा। मानविकी के अंतर्गत पाठ्यक्रमों में शामिल हैं, उदाहरण के लिए, पुरातत्व, इतिहास, तुलनात्मक साहित्य, कला और रचनात्मक अभिव्यक्तियाँ, रचनात्मक लेखन और साहित्य, भाषाएँ, दर्शनशास्त्र, आदि, और मानविकी से संबंधित अंतःविषय पाठ्यक्रम। पाठ्यक्रमों की सूची जिसमें संज्ञानात्मक विज्ञान, पर्यावरण विज्ञान, लिंग अध्ययन, वैश्विक पर्यावरण और स्वास्थ्य, अंतर्राष्ट्रीय संबंध, राजनीतिक अर्थव्यवस्था और विकास, सतत विकास, महिला और लिंग अध्ययन आदि जैसे अंतःविषय विषय शामिल हो सकते हैं, समाज को समझने के लिए उपयोगी होंगे।

9.क्षमता संवर्धन पाठ्यक्रम (एईसी) (08 क्रेडिट): आधुनिक भारतीय भाषा (एमआईएल) और अंग्रेजी भाषा भाषा और संचार कौशल पर केंद्रित है।

छात्रों को भाषा और संचार कौशल पर विशेष जोर देने के साथ आधुनिक भारतीय भाषा (एमआईएल) और अंग्रेजी भाषा में दक्षता हासिल करने की आवश्यकता होती है। पाठ्यक्रमों का उद्देश्य छात्रों को महत्वपूर्ण पढ़ाने और व्याख्यात्मक और अकादमिक लेखन कौशल सहित मुख्य भाषाई कौशल हासिल करने और प्रदर्शित करने में सक्षम बनाना है, जो छात्रों को अपने तर्कों को स्पष्ट करने और अपनी सोच को स्पष्ट और सुसंगत रूप से प्रस्तुत करने में मदद करता है और ज्ञान के मध्यस्थ के रूप में भाषा के महत्व को पहचानता है। और पहचान. वे छात्रों को चुनी हुई एमआईएल और अंग्रेजी भाषा की सांस्कृतिक और बौद्धिक विरासत से परिचित कराने में सक्षम बनाएंगे, साथ ही एमआईएल और अंग्रेजी भाषा दोनों से संबंधित भाषा/साहित्य की संरचना और जटिलता की चिंतनशील समझ प्रदान करेंगे। पाठ्यक्रम संचार जैसे कौशल के विकास और वृद्धि, और चर्चा और बहस में भाग लेने/संचालन करने की क्षमता पर भी जोर देंगे।

10.कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम (एसईसी):

इन पाठ्यक्रमों का उद्देश्य छात्रों की रोजगार क्षमता को बढाने के लिए व्यावहारिक कौशल, व्यावहारिक प्रशिक्षण, सॉफ्ट स्किल आदि प्रदान करना है। विश्वविद्यालय छात्रों की आवश्यकताओं और उपलब्ध संसाधनों के अनुसार पाठ्यक्रम डिजाइन कर सकता है।

11.सभी यूजी छात्रों के लिए मूल्य–वर्धित पाठ्यक्रम (वीएसी) (6–8 क्रेडिट)

11.1 भारत को समझना: पाठ्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को अपने ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य, राष्ट्रीय विकास के लक्ष्यों और नीतियों के बुनियादी ढांचे और संवैधानिक मूल्यों और मौलिक पर विशेष जोर देने के साथ संवैधानिक दायित्वों के साथ समकालीन भारत के ज्ञान और समझ को प्राप्त करने और प्रदर्शित करने में सक्षम बनाना है। अधिकार और कर्तव्य। यह पाठ्यक्रम भारतीय ज्ञान प्रणालियों, भारतीय शिक्षा प्रणाली और सामान्य रूप से राष्ट्र और स्कूल/समुदाय/समाज के प्रति शिक्षकों की भूमिकाओं और दायित्वों के बारे में छात्र–शिक्षकों के बीच समझ विकसित करने पर भी ध्यान केंद्रित करेगा। यह पाठ्यक्रम भारत के स्वतंत्रता संग्राम और इसके मूल्यों और आदर्शों के बारे में ज्ञान को गहरा करने और देश के सभी वर्गों और क्षेत्रों के लोगों द्वारा किए गए योगदान की सराहना विकसित करने और शिक्षार्थियों को मूल्यों को समझने और संजोने में मदद करने का प्रयास करेगा। भारतीय संविधान में निहित और उन्हें एक लोकतांत्रिक समाज के प्रभावी नागरिकों के रूप में उनकी भूमिकाओं और जिम्मेदारियों के लिए तैयार करना।

11.2 पर्यावरण विज्ञान/शिक्षा: पाठ्यक्रम छात्रों को पर्यावरणीय गिरावट, जलवायु परिवर्तन और प्रदूषण, प्रभावी अपशिष्ट प्रबंधन, संरक्षण के प्रभावों को कम करने के लिए उचित कार्रवाई करने के लिए आवश्यक अर्जित ज्ञान, कौशल, दृष्टिकोण और मूल्यों को लागू करने की क्षमता से लैस करना चाहता है। जैविक विविधता, जैविक संसाधनों का प्रबंधन, वन और वन्यजीव संरक्षण, और सतत विकास और जीवनयापन। यह पाठ्यक्रम भारत के पर्यावरण की समग्रता, इसकी संवादात्मक प्रक्रियाओं और लोगों के जीवन की भविष्य की गुणवत्ता पर इसके प्रभावों के ज्ञान और समझ को भी गहरा करेगा।

11.3 डिजिटल और तकनीकी समाधान:अत्याधुनिक क्षेत्रों में पाठ्यक्रम जो तेजी से प्रमुखता प्राप्त कर रहे हैं, जैसे कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), 3–डी मशीनिंग, बड़े डेटा विश्लेषण, मशीन लर्निंग, ड्रोन तकनीक और स्वास्थ्य, पर्यावरण के लिए महत्वपूर्ण अनुप्रयोगों के साथ गहन शिक्षण। , और टिकाऊ जीवन जिसे युवाओं की रोजगार क्षमता बढ़ाने के लिए स्नातक शिक्षा में बुना जाएगा।

11.4 स्वास्थ्य और कल्याण, योग शिक्षा, खेल और फिटनेस: स्वास्थ्य और कल्याण से संबंधित पाठ्यक्रम घटक किसी व्यक्ति के शारीरिक, भावनात्मक, बौद्धिक, सामाजिक, आध्यात्मिक और पर्यावरणीय कल्याण की इष्टतम स्थिति को बढ़ावा देना चाहते हैं। खेल और फिटनेस गतिविधियाँ नियमित विश्वविद्यालय कार्य घंटों के बाहर आयोजित की जाएंगी। योग शिक्षा छात्रों को उनकी शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक क्षमताओं के एकीकरण के लिए शारीरिक और मानसिक रूप से तैयार करने और उन्हें अपने व्यक्तित्व के बारे में बुनियादी ज्ञान से लैस करने, आत्म–अनुशासन और आत्म–नियंत्रण बनाए रखने, खुद को अच्छी तरह से संभालना सीखने पर केंद्रित होगी। सभी जीवन स्थितियाँ। पाठ्यक्रमों के खेल और फिटनेस घटकों का ध्यान शारीरिक फिटनेस में सुधार पर होगा जिसमें शारीरिक और कौशल से संबंधित फिटनेस के विभिन्न घटकों जैसे ताकत, गति, समन्वय, सहनशक्ति

और लचीलेपन में सुधार शामिल होगाय किसी विशेष खेल से संबंधित मोटर कौशल के साथ–साथ बुनियादी आंदोलन कौशल सहित खेल कौशल का अधिग्रहणय सामरिक क्षमताओं में सुधारय और मानसिक क्षमताओं में सुधार।

विश्वविद्यालय अनुशासन से संबंधित या सभी यूजी कार्यक्रमों के लिए सामान्य अन्य नवीन मूल्य वर्धित पाठ्यक्रम शुरू कर सकता है।

12.भारतीय ज्ञान प्रणाली

भारतीय ज्ञान प्रणाली (आई. के. एस.) से संबंधित पाठ्यक्रम सामग्री को पाठ्यक्रम में भी शामिल किया जाएगा।

12.1 भारतीय ज्ञान प्रणाली (आई. के. एस.) सभी विषयों के न्ळ पाठ्यक्रम के सिलेबस का एक महत्वपूर्ण हिस्सा होगी।

12.2 चार वर्षीय न्ळ कार्यक्रमों में, IKS में लिए जाने वाले क्रेडिट्स का कम से कम 5: का होना चाहिए। आई. के. एस. के लिए निर्धारित किए गए क्रेडिट्स में कम से कम 50: कोर विषयवार और बहुविषयीय पाठ्यक्रमों को सौंपे जाने चाहिए। छात्रों को प्श्वै के हिस्से में शामिल विषयोंधविषयों में इंटर्नशिपध्अप्रेंटिसशिप के लिए विकल्प दिया जा सकता है।

12.3 साथ ही, विश्वविद्यालय को सुनिश्चित करना चाहिए कि भारतीय ज्ञान प्रणाली (आई. के. एस.) के मौलिक पाठ्यक्रमों में कम से कम एकध्दो पेपर शामिल हों, जो प्राथमिकता से न्ळ कार्यक्रम के पहले चार सेमेस्टर में रहें, और इन पेपरों का मान्यता से मान्यता सौंपा जाए जिसमें कम से कम तीनध्चार क्रेडिट (तीन वर्ष/चार वर्ष यूजी कार्यक्रमों के लिए अनुसूचित है) Value added Course(VAC) के रूप में शामिल हो।

12.4 (आई. के. एस.) के तहत के पाठ्यक्रमों को मौलिक पाठ्यक्रम (IKS के लिए विशेषकृत) और वैकल्पिक पाठ्यक्रम (विषयविशिष्ट) में वर्गीकृत किया जाएगा, चयनित विषयों/बहुविषयीय में।

- **मौलिक पाठ्यक्रम :** इसमें IKS की मौलिक ज्ञान को कवर किया जाएगा और इसमें भारतीय साहित्य,संस्कृति, खगोलशास्त्र, कला और शिल्प, वास्तुकला, संगीत आदि की मौलिक जानकारी शामिल हो सकती है।
- **वैकल्पिक पाठ्यक्रम :** इसमें विशिष्ट विषय के प्रायोगिक ज्ञान शामिल होता है, जैसे भारतीय गणित और भारतीय खगोलशास्त्र। यह मुख्य विषय का हिस्सा होता है।

13.ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप/ प्रशिक्षुता (2 – 4 क्रेडिट)

नए यूजी पाठ्यक्रम का एक प्रमुख पहलू वास्तविक कार्य स्थितियों में शामिल होना है। सभी छात्रों को ग्रीष्मकालीन अवधि के दौरान किसी फर्म, उद्योग या संगठन में इंटर्नशिप/प्रशिक्षुता या अपने स्वयं के या अन्य एचईआई/अनुसंधान संस्थानों में संकाय और शोधकर्ताओं के साथ प्रयोगशालाओं में प्रशिक्षण से भी गुजरना होगा। छात्रों को स्थानीय उद्योग, व्यावसायिक संगठनों, स्वास्थ्य और संबद्ध क्षेत्रों, स्थानीय सरकारों (जैसे पंचायत, नगर पालिकाओं), संसद या निर्वाचित प्रतिनिधियों, मीडिया संगठनों, कलाकारों, शिल्पकारों और विभिन्न प्रकार के संगठनों के साथ इंटर्नशिप के अवसर प्रदान किए जाएंगे। ताकि छात्र अपने सीखने के व्यावहारिक पक्ष के साथ सक्रिय रूप से जुड़सकें और, उप–उत्पाद के रूप में, अपनी रोजगार क्षमता में और सुधार कर सकें। जो छात्र पहले दो सेमेस्टर के बाद बाहर निकलना चाहते हैं, उन्हें यूजी सर्टिफिकेट प्राप्त करने के लिए ग्रीष्मकालीन अवधि के दौरान 4–क्रेडिट कार्य–आधारित शिक्षा/इंटर्नशिप से गुजरना होगा

14.सामुदायिक जुड़ाव और सेवाः

'सामुदायिक जुड़ाव और सेवा' का पाठ्यचर्या घटक छात्रों को समाज में सामाजिक–आर्थिक मुद्दों से अवगत कराना चाहता है ताकि वास्तविक जीवन की समस्याओं के समाधान उत्पन्न करने के लिए सैद्धांतिक शिक्षा को वास्तविक जीवन के अनुभवों द्वारा पूरक किया जा सके। यह प्रमुख अनुशासन के आधार पर ग्रीष्मकालीन सत्र की गतिविधि का हिस्सा या किसी बड़े या छोटे पाठ्यक्रम का हिस्सा हो सकता है।

15.क्षेत्र–आधारित शिक्षण/लघु परियोजनाः

क्षेत्र–आधारित शिक्षण/लघु परियोजना छात्रों को विभिन्न सामाजिक–आर्थिक संदर्भों को समझने के अवसर प्रदान करने का प्रयास करेगी। इसका उद्देश्य छात्रों को ग्रामीण और शहरी परिवेश में विकास संबंधी मुद्दों से अवगत कराना होगा। यह छात्रों को ग्रामीण और शहरी संदर्भों में स्थितियों का निरीक्षण करने और सामाजिक–आर्थिक विकास से संबंधित मुद्दों के संबंध में वास्तविक क्षेत्र स्थितियों का निरीक्षण और अध्ययन करने के अवसर प्रदान करेगा। छात्रों को विकास प्रक्रिया का मार्गदर्शन करने वाली नीतियों, विनियमों, संगठनात्मक संरचनाओं,

प्रक्रियाओं और कार्यक्रमों की प्रत्यक्ष समझ हासिल करने के अवसर दिए जाएंगे। उन्हें समुदाय में जटिल सामाजिक–आर्थिक समस्याओं और पहचानी गई समस्याओं के समाधान उत्पन्न करने के लिए आवश्यक नवीन प्रथाओं की समझ हासिल करने का अवसर मिलेगा। अध्ययन के विषय के आधार पर यह एक ग्रीष्मकालीन अवधि की परियोजना या किसी बड़े या छोटे पाठ्यक्रम का हिस्सा हो सकता है।

16.अनुसंधान परियोजना/निबंध

4–वर्षीय स्नातक डिग्री (अनुसंधान के साथ ऑनर्स) चुनने वाले छात्रों को एक संकाय सदस्य के मार्गदर्शन में अनुसंधान परियोजनाएं शुरू करने की आवश्यकता होती है। छात्रों से आठवें सेमेस्टर में रिसर्च प्रोजेक्ट पूरा करने की उम्मीद की जाती है। उनके प्रोजेक्ट कार्य के अनुसंधान परिणामों को सहकर्मी–समीक्षित पत्रिकाओं में प्रकाशित किया जा सकता है या सम्मेलनों/सेमिनारों में प्रस्तुत किया जा सकता है या पेटेंट कराया जा सकता है।

निम्नलिखित तालिका में पीजी कार्यक्रम के लिए उम्मीदवार द्वारा प्राप्त संबंधित अनुभवात्मक अध्ययन, संबंधित अनुभव और पेशेवर स्तरों को शामिल करने और कोई शैक्षिक ग्रेड/कौशल–आधारित कार्यक्रम के पूर्ण होने के बाद अधिग्रहण किये गए दक्षता स्तर की प्राप्ति की सिद्धांत की गणना दी गई है।

Credit Assignment for relevant experience / proficiency

Experience cum Proficiency Levels	Description of the relevant Experiential learning including relevant experience and professional levels acquired and attaining proficiency levels	Weightage/ multiplication Factor	No. of years of experience (Only indicative)
Trained/ Qualification attained	Someone who has completed the coursework/ education/ training and has been taught the skills and knowledge needed for a particular job or activity	1	Less than or equal to 1 year
Proficient	Proficient would mean having the level of advancement in a particular profession, skillset, or knowledge	1.33	More than 1 less than or equal to 4
Expert	Expert means having high level of knowledge and experience in a trade or profession	1.67	More than 4 less than or equal to 7
Master	Master is someone having exceptional skill or knowledge of a subject/domain	2	More than 7

17.अन्य गतिविधियाँ:

इस घटक में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनसीसी), राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी), वयस्क शिक्षा/साक्षरता पहल, स्कूली छात्रों को सलाह देने और अन्य समान गतिविधियों से संबंधित गतिविधियों में भागीदारी शामिल होगी।

18. विशाल खुला ऑनलाइन पाठ्यक्रम (एमओओसीएस)

एमओओसी शिक्षार्थियों को वैकल्पिक मोड (ऑफलाइन, ओडीएल, ऑनलाइन शिक्षण और हाइब्रिड मोड) पर स्विच करने के लए लचीलापन प्रदान करता है। ओ. पी. जिंदल विश्वविद्यालय,छत्तीसगढयूजीसी से प्राप्त दिशानिर्देशों/सिफारिशों के अनुसार स्वयं/एनपीटीईएल या किसी अन्य ऑनलाइन यूजीसी अनुमोदित प्लेटफॉर्म के माध्यम से पेश किए जाने वाले पाठ्यक्रम के एक सेमेस्टर में पेश किए जाने वाले कुल पाठ्यक्रमों/क्रेडिट इकाइयों के 40 प्रतिशत (40%) तक की अनुमति देता है।

विश्वविद्यालय एमओओसी–आधारित पाठ्यक्रमों के कार्यान्वयन के लिए अपने दिशानिर्देश विकसित करेगा। ये दिशानिर्देश पाठ्यक्रम में एमओओसी के सुचारू एकीकरण को सुनिश्चित करने के लिए पाठ्यक्रम चयन, क्रेडिट हस्तांतरण और अन्य प्रासंगिक पहलुओं की प्रक्रिया की रूपरेखा तैयार करते हैं।

19.स्नातक पाठ्यक्रम के लिए संरचनाः सेमेस्टर प्रणाली

एनईपी और यूजीसी के दिशानिर्देशों के अनुसार तीन साल के बैचलर प्रोग्रामध्चार साल के ऑनर्स के साथ बैचलर/रिसर्च के दौरान, छात्रों को आवश्यक न्यूनतम क्रेडिट इकाइयों के पूरा होने के बाद सर्टिफिकेट/डिप्लोमा/डिग्री अर्जित करने के साथ पाठ्यक्रम में कई निकास और प्रविष्टियों के अवसर मिलते हैं। तालिका 1 के अनुसार:

*40 क्रेडिट (स्तर 5%जिसे यूजी सर्टिफिकेट से सम्मानित किया जाएगा) या 80 क्रेडिट (स्तर 6% जिसे यूजी डिप्लोमा से सम्मानित किया जाएगा) हासिल करने के बाद पाठ्यक्रम से बाहर निकलने वाले छात्र को पेश किए गए कार्य/डोमेन आधारित व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में 4 अतिरिक्त क्रेडिट हासिल करने की भी आवश्यकता होती है। ग्रीष्मकालीन अवधि या औद्योगिक इंटर्नशिप/अप्रेंटिसशिप के दौरान।

4–वर्षीय स्नातक डिग्री पाठ्यक्रम को एक पसंदीदा विकल्प माना जाता है क्योंकि यह चुने हुए मेजर और न्यूनतम या छात्र की पसंद पर ध्यान केंद्रित करने के अलावा समग्र और बहु–विषयक शिक्षा की पूरी श्रृंखला का अनुभव करने का अवसर प्रदान करेगा।

तालिका II Aप्रत्येक श्रेणी में डिग्री प्रदान करने के लिए न्यूनतम क्रेडिट आवश्यकता

Sr. No.	Category of Course	Minimum Credit Requirement	
		3- Years UG Programmes	4- Years UG Programmes
1	Major (Core) Courses	60(50%)	**80 (50%)**
2	Minor (Elective) Courses	24	**32**
3	Multidisciplinary/Interdisciplinary/ Allied Courses	09	**09**
4	AEC (Ability Enhancement Courses)	08	**08**
5	SEC (Skill Enhancement Courses)	09	**09**
6	VAD (Value Added Courses) including Indian Knowledge System (IKS)	06-08	**06-08**
7	Summer Internship	02-04	**02-04**
8	Dissertation/(Research Project)		**12**
	Total Credits	**120**	**160**

टिप्पणी :गौरवांकित छात्र जो शोध नहीं कर रहे हैं, उन्हें एक अनुसंधान परियोजना/निबंध के स्थान पर 12 क्रेडिट्स के तीन पाठ्यक्रम करने होंगे।

तालिका 2 B– स्नातक पाठ्यक्रम के क्रेडिट का सेमेस्टर–वार और व्यापक पाठ्यक्रम श्रेणी–वार वितरणः

सेमेस्टर	अनुशासन विशिष्ट पाठ्यक्रम (कोर)	माइनर	अंतःविषय पाठ्यक्रम	योग्यता संवर्धन पाठ्यक्रम (भाषा)	कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम / इंटर्नशिप / शोध प्रबंध	सामान्य मूल्य संवर्धित पाठ्यक्रम	कुल क्रेडिट
I	(100 स्तर)	(100 स्तर)	(1 पाठ्यक्रम)	(1 पाठ्यक्रम)	(1 पाठ्यक्रम)	(1 या 2 पाठ्यक्रम)	20

II	(100 स्तर)	(100 स्तर)	(1 पाठ्यक्रम)	(1 पाठ्यक्रम)	(1 पाठ्यक्रम)	(1 या 2 पाठ्यक्रम)	20
	पहले और दूसरे सेमेस्टर के दौरान कौशल आधारित पाठ्यक्रमों से 6 क्रेडिट्स के अतिरिक्त, ग्रीष्मकालीन सत्र या इंटर्नशिप / अप्रेंटिसशिप के दौरान कार्य आधारित व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में 4 क्रेडिट्स प्राप्त करने पर 40 क्रेडिट्स प्राप्त करने के बाद कार्यक्रम से बाहर निकलने वाले छात्रों को संबंधित अनुशासन / विषय में यूजी प्रमाणपत्र प्रदान किया जाएगा।						40
III	(200 स्तर)	(200 और ऊपर)	(1 पाठ्यक्रम)	(1 पाठ्यक्रम)	(1 पाठ्यक्रम)	-	20
IV	(200 स्तर)	(200 और ऊपर)	--	(1 पाठ्यक्रम)	-		20
	पहले वर्ष या दूसरे वर्ष के ग्रीष्मकालीन सत्र के दौरान कौशल आधारित व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में अतिरिक्त 4 क्रेडिट प्राप्त करने पर 80 क्रेडिट प्राप्त करने के बाद कार्यक्रम से बाहर निकलने वाले छात्रों को संबंधित अनुशासन / विषय में यूजी डिप्लोमा प्रदान किया जाएगा।						80
V	(300 स्तर)	(200 और ऊपर)	-	-	(इंटर्नशिप)	-	20
VI	(300 स्तर)	(200 और ऊपर)	-	._	..	-	20
	जो छात्र 3–वर्षीय यूजी कार्यक्रम करना चाहते हैं, उन्हें 120 क्रेडिट प्राप्त करने पर संबंधित अनुशासन / विषय में यूजी डिग्री प्रदान की जाएगी।						120
VII	(400 स्तर)	(300 और ऊपर)	-		-	-	20
VIII	(400 स्तर)	(300 और ऊपर)	-		(अनुसंधान परियोजना/ शोधप्रबंध)		20
	छात्रों को संबंधित अनुशासन (विषय में यूजी डिग्री (ऑनर्स) प्रदान की जाएगी, बशर्ते कि उन्होंने 160 क्रेडिट्स प्राप्त किए हों।						**160**

टिप्पणी:

i. केवल प्रत्येक सेमेस्टर में क्रेडिट की न्यूनतम कुल संख्या ऊपर दर्शाई गई है। न्यूनतम संख्या में क्रेडिट आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए एचईआई प्रत्येक पाठ्यक्रम (जैसे, प्रमुख, लघु, बहुविषयक, आदि) के लिए क्रेडिट की संख्या तय कर सकता है। षिक्षा संस्थान 10%अतिरिक्त क्रेडिट प्रदान कर सकता हैं।

ii. छात्रों को एचईआई द्वारा प्रस्तावित उनकी पसंद के पाठ्यक्रम का ऑडिट करने की अनुमति दी जा सकती है, बशर्ते वे पाठ्यक्रम के लिए पूर्व–आवश्यकताएं पूरी करते हों।

iii. माइनर स्ट्रीम पाठ्यक्रम तीसरे 300 या उससे ऊपर के स्तर के हो सकते हैं और माइनर से कुल क्रेडिट का 50% संबंधित विषय/विषय में सुरक्षित किया जाना चाहिए और माइनर से कुल क्रेडिट का अन्य 50% छात्रों के पसंद अनुसार किसी भी विषय से अर्जित किया जा सकता है।

iv. छात्रों को अंतःविषय श्रेणी के तहत 12वीं कक्षा में पढ़े गए समान पाठ्यक्रमों को लेने की अनुमति नहीं है।

v. मौजूदा यूजीसी नियमों के अनुसार विश्वविद्यालय द्वारा अनुमोदित ऑनलाइन पाठ्यक्रमों के माध्यम से किसी भी श्रेणी में 40% क्रेडिट अर्जित किए जा सकते हैं।

vi. आठवीं–सेमेस्टर का मुख्य विषय छात्रों की प्रस्तुतियों और चर्चाओं के साथ सेमिनार–आधारित हो सकता है।

vii. छात्रों को एनएसएस/एनसीसी जैसी गतिविधियों में नामांकन के लिए प्रोत्साहित किया जा सकता है।

अर्जित क्रेडिट की वैधता अधिकतम सात वर्ष की होगी (शैक्षणिक कार्यक्रमों में एकाधिक प्रवेश और निकास के लिए यूजीसी दिशानिर्देशों के अनुसार या बाद के चरण में यूजीसी द्वारा निर्दिष्ट)

20.स्नातक कार्यक्रमों का नामकरण

2–वर्षीय पोस्ट ग्रेजुएशन के लिए: एक 3–वर्षीय UG कार्यक्रम के बाद प्रवेश करने वाले छात्र निम्नलिखित विकल्पों में से चुन सकते हैं –

(i) तीसरे और चौथे सेमेस्टर में केवल कोर्सवर्क,

(ii) तीसरे सेमेस्टर में कोर्सवर्क और चौथे सेमेस्टर में अनुसंधान, या

(iii) तीसरे और चौथे सेमेस्टर में केवल अनुसंधान।

1–वर्षीय पोस्ट ग्रेजुएशन के लिए: एक 4–वर्षीय UG कार्यक्रम के बाद प्रवेश करने वाले छात्र निम्नलिखित विकल्पों में से चुन सकते हैं –

(i) केवल कोर्सवर्क,

(ii) अनुसंधान, या

(iii) कोर्सवर्क और अनुसंधान।

5–वर्षीय एकीकृत कार्यक्रम (UG+PG): पीजी स्तर पर, 5–वर्षीय एकीकृत कार्यक्रम का पाठ्यक्रम तदनुसार होगा जैसा कि पहले बताया गया 2–वर्षीय पोस्ट ग्रेजुएशन का।

क्रेडिट वितरण

(a) 1–वर्षीय पोस्ट ग्रेजुएशन

CurricularComponents	PGProgramme(one year) for4-yrUG(Hons./Hons.withResearch) MinimumCredits			
	CourseLevel	Coursework	Researchthesis/project/Patent	TotalCredits
Coursework+Research	500	20	20	40
Coursework	500	40	--	40
Research	-	-	40	

(b) 2–वर्षीय पोस्ट ग्रेजुएशन

CurricularComponents		Two-YearPGProgramme(GenericandProfessional) MinimumCredits			
		CourseLevel	Coursework	Research thesis/project/Patent	TotalCredits
PGDiploma		400	40	--	40
1st Year (1st&2nd Semester)		400 500	24 16	--	40
Studentswhoexitattheendof1st yearshallbeawardedaPostgraduateDiploma					
2nd Year(3rd& 4thSemester)	Coursework &Research	500	20	20	40
	Coursework (or)	500	40	--	40
	Research	--	--	40	40

निकास बिंदु:

2 वर्षीय पीजी कार्यक्रम में शामिल होने वालों के लिए, केवल एक निकास बिंदु होगा। जो छात्र पहले वर्ष के अंत में निकास करते हैं, उन्हें पोस्टग्रेजुएट डिप्लोमा प्रदान किया जाएगा।

पीजी कार्यक्रम में उस विषय–विशेष के लिए उपयुक्त व्यावसायिक पाठ्यक्रम शामिल होने चाहिए।

कोर्स के स्तर:

कोर्स अधिगम के परिणाम, कठिनाई के स्तर, और शैक्षिक मौलिकता के आधार पर कोडित किए जाएंगे। कोडिंग संरचना निम्नलिखित है:

- **a. 0–99:** प्रारंभिक कोर्स जो प्रवेश के लिए आवश्यक होंगे और जो एक पास या फेल कोर्स होंगे जिसमें कोई क्रेडिट नहीं होगा। ये अन्य कुछ कॉलेज/ विश्वविद्यालयों में प्रदान किए जाने वाले ब्रिज कोर्स के अस्तित्व को बदलेंगे।
- **b. 100–199:**बुनियादी या प्रारंभिक कोर्स जिन्हें छात्रों को विषयों की समझ और मौलिक ज्ञान हासिल करने में मदद मिलती है। ये कोर्स मुख्य विषय में कोर्स के प्रारंभिक शिक्षण हो सकते हैं। ये कोर्स आमतौर पर मौलिक सिद्धांतों, अवधारणाओं, दृष्टिकोणों, सिद्धांतों, विधियों, और प्रक्रियाओं पर ध्यान केंद्रित करते हैं, ताकि छात्रों को उनके विशेषताओं के लिए एक व्यापक आधार प्रदान किया जा सके।
- **c. 200–299:**इण्टरमीडिएट–स्तरीय कोर्स जो विषय–विशेष कोर्स शामिल होते हैं जो छोटे या मुख्य शिक्षा क्षेत्रों के क्रेडिट आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए डिजाइन किए गए होते हैं।
- **d. 300–399:** उच्च–स्तरीय कोर्स जो डिग्री प्राप्ति के लिए किसी विषय–विशेष क्षेत्र में प्रमुख होते हैं।
- **e. 400–499:**उन्नत कोर्स जिसमें व्याख्यान के साथ सीमांत, सेमिनार–आधारित कोर्स, टर्म पेपर, अनुसंधान पद्धति, उन्नत प्रयोगशाला प्रयोग / सॉफ्टवेयर प्रशिक्षण, अनुसंधान परियोजनाएँ, हाथ से प्रशिक्षण, ग्रेजुएशन स्तर पर अंतर्निहित किए जा सकते हैं।
- **f. 500–599:** पहले वर्ष के मास्टर्स डिग्री स्तर के कोर्स एक 2–वर्षीय मास्टर्स डिग्री कार्यक्रम के लिए।
- **g. 600–699:** 2–वर्षीय मास्टर्स या 1–वर्षीय मास्टर्स डिग्री कार्यक्रम के दूसरे वर्ष के लिए कोर्स।
- **h. 700–799** और ऊपर: शैक्षिक छात्रों के लिए सीमित कोर्स।

स्नातक डिग्री पाठ्यक्रम कई निकास/प्रवेश विकल्पों (सर्टिफिकेट / डिप्लोमा / डिग्री) के साथ 3 या 4 साल की अवधि के होंगे।

विश्वविद्यालय द्वारा प्रस्तावित यूजी कार्यक्रमों को यूजीसी दिशानिर्देशों के अनुसार नए नामकरण के साथ संशोधित किया जाएगा।

स्नातक कार्यक्रमों के लिए क्रेडिट आवश्यकताएँ तालिका – 1 में दी गई हैं।

21. स्नातकोत्तर कार्यक्रमों का नामकरण

विश्वविद्यालय द्वारा प्रस्तावित स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम/स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम का नामकरण यूजीसी दिशानिर्देशों के अनुसार होगा।

22. स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम के लिए प्रवेश पथः

a. छात्रों को दो साल के पाठ्यक्रम में प्रवेश दिया जाएगा, जिसमें दूसरा वर्ष पूरी तरह से उन लोगों के लिए अनुसंधान के लिए समर्पित होगा जिन्होंने तीन साल का स्नातक पाठ्यक्रम पूरा कर लिया है।

b. ऑनर्स / रिसर्च के साथ चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम पूरा करने वाले छात्रों को एक वर्षीय मास्टर पाठ्यक्रम में प्रवेश दिया जा सकता है।

c. एक एकीकृत पांच वर्षीय स्नातक / परास्नातक पाठ्यक्रम हो सकता है।

प्रविष्टि 5 – स्तर 6.5 के लिए प्रवेश आवश्यकता है

i. एक वर्षीय / दो–सेमेस्टर मास्टर डिग्री पाठ्यक्रम के लिए स्नातक डिग्री (ऑनर्स / अनुसंधान)।

ii. दो–वर्षीय / चार–सेमेस्टर मास्टर डिग्री पाठ्यक्रम के लिए स्नातक की डिग्री।

iii. एक वर्षीय / दो–सेमेस्टर स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम के लिए स्नातक की डिग्री।

iv. मास्टर डिग्री और पोस्ट–ग्रेजुएट डिप्लोमा के लिए अध्ययन का एक पाठ्यक्रम उन लोगों के लिए खुला है, जिन्होंने पाठ्यक्रम प्रवेश नियमों में निर्दिष्ट स्तर की प्राप्ति सहित प्रवेश आवश्यकताओं को पूरा किया है। अध्ययन के एक पाठ्यक्रम में प्रवेश आवेदक की जांच के विशेषज्ञ क्षेत्र में स्नातकोत्तर अध्ययन करने की क्षमता के दस्तावेजी साक्ष्य (शैक्षणिक रिकॉर्ड सहित) के मूल्यांकन पर आधारित है।

निकास 5– स्नातकोत्तर कार्यक्रमों के लिए, दो–वर्षीय मास्टर पाठ्यक्रम में शामिल होने वालों के लिए केवल एक निकास बिंदु होगा, अर्थात, मास्टर पाठ्यक्रम के पहले वर्ष के अंत में। प्रथम वर्ष के बाद बाहर निकलने वाले छात्रों को स्नातकोत्तर डिप्लोमा से सम्मानित किया जाएगा।

23..स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमके लिएक्रेडिट आवश्यकताएँ

i. एक साल/दो सेमेस्टर का मास्टर डिग्री पाठ्यक्रम ऑनर्स/रिसर्च के साथ स्नातक की डिग्री पर आधारित है और ऑनर्स/रिसर्च के साथ स्नातक की डिग्री पूरी करने वाले व्यक्तियों के लिए 40 क्रेडिट की आवश्यकता होती है।

ii. दो–वर्षीय/चार–सेमेस्टर मास्टर डिग्री पाठ्यक्रम स्नातक की डिग्री पर आधारित है और पाठ्यक्रम के दोनों वर्षों में कुल 80 क्रेडिट की आवश्यकता होती है, पहले वर्ष में 40 क्रेडिट और दूसरे वर्ष में 40 क्रेडिट की आवश्यकता होती है। स्तर 7 पर पाठ्यक्रम का.

iii. एक साल/दो सेमेस्टर का स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम स्नातक की डिग्री पर आधारित है और स्नातक की डिग्री पूरी करने वाले व्यक्तियों के लिए 40 क्रेडिट की आवश्यकता होती है।

- एक छात्र को केवल विषम सेमेस्टर में प्रवेश/पुनः प्रवेश की अनुमति दी जाएगी और केवल सम सेमेस्टर के बाद ही बाहर निकल सकता है। शैक्षणिक कार्यक्रमों में पार्श्व प्रवेशकों के रूप में विभिन्न स्तरों पर पुनः प्रवेश अर्जित क्रेडिट और दक्षता परीक्षण रिकॉर्ड के आधार पर होना चाहिए।
- अर्जित क्रेडिट की वैधता अधिकतम सात वर्ष की अवधि या एबीसी द्वारा निर्दिष्ट होगी। अर्जित क्रेडिट को जमा करने की प्रक्रिया, इसकी शेल्फ लाइफ, क्रेडिट का मोचन, यूजीसी (उच्च शिक्षा में अकादमिक बैंक ऑफ क्रेडिट (एबीसी) योजना की स्थापना और संचालन) विनियम, 2021 के अनुसार होगा।

24.तकनीकी कार्यक्रमों के लिए अवधि, प्रवेश स्तर की योग्यताएं और सांविधिक आरक्षण के मानदंड

छात्रों को प्रत्येक निकास के बाद रोजगार योग्य बनाने के लिए, संबंधित नियामक निकाय/विश्वविद्यालय/तकनीकी बोर्ड द्वारा कार्यक्रम के पहले वर्ष से ही पाठ्यक्रम में संबंधित विषयों में कौशल घटक के साथ प्रगतिशील कौशल वृद्धि को शामिल किया जा सकता है। पहले वर्ष के अंत में निकास की अनुमति देते समय, संस्थान तकनीकी संचार और कंप्यूटर प्रवीणता (डेटा प्रविष्टि आदि), सिविल / मैकेनिकल ड्राफ्ट्समैनशिप, विद्युत रखरखाव आदि पर अनिवार्य कौशल पाठ्यक्रम मॉड्यूल निर्धारित कर सकते हैं।

क्रमांक	शैक्षिक स्तर	प्रवेश स्तर पात्रताएँ	निकासी स्तर पात्रताएँ	NCrF स्तर
1	11वीं कक्षा / डिप्लोमा की 1वीं साल	10वीं पास	10+1 वर्ष का डिप्लोमा; व्यवसाय प्रमाणपत्र (C. Voc)	3.5
2a	12वीं कक्षा	11वीं कक्षा पास	12वीं	4.0
2b	डिप्लोमा द्वितीय वर्ष	10+1 वर्ष का डिप्लोमा (C. Voc.) या समकक्ष व्यवसायिक प्रशिक्षण (स्तर 3.5) या 12वीं कक्षा पास	10+2 वर्ष का व्यवसाय डिप्लोमा	4.0
3a	डिप्लोमा तृतीयवर्ष	10+2 वर्ष का व्यवसाय डिप्लोमा या समकक्ष व्यवसायिक प्रशिक्षण (स्तर 4)	डिप्लोमा इंजीनियरिंग	4.5
3b	स्नातक डिग्री प्रथम वर्ष	10+2 वर्ष का व्यवसाय डिप्लोमा या 12वीं कक्षा पास (स्तर 4)	स्नातक प्रमाणपत्र	4.5
4	स्नातक डिग्री द्वितीय वर्ष	संबंधित शाखा में डिप्लोमा/ स्नातक प्रमाणपत्र/ समकक्ष व्यवसायिक या तकनीकी कार्यक्रम (स्तर 4.5)	स्नातक डिप्लोमा (इंजीनियरिंग)	5.0
5	स्नातक डिग्री की तृतीयवर्ष	10+3+1/12+2/ संबंधित डोमेन में स्नातक/ डिप्लोमा (इंजीनियरिंग) (स्तर 5)	B-Voc-/ B-Sc-	(इंजीनियरिंग)/ स्नातक डिग्री

6	स्नातक डिग्री की अंतिमवर्ष	वोकेशन में 3 वर्ष की बैचलर डिग्री/ B-Sc- (इंजीनियरिंग)/ स्नातक डिग्री (स्तर 5.5)	B-E-/B-Tech-/	स्नातक डिग्री
7	स्नात्कोत्तर डिग्री की प्रथमवर्ष	4 वर्ष की बैचलर डिग्री (स्तर 6.00)	स्नात्कोत्तरडिप्लोमा/ M-Voc	6.5
8	स्नात्कोत्तर डिग्री की अंतिम वर्ष	1 वर्ष की स्नात्कोत्तर डिग्री/स्नात्कोत्तर डिप्लोमा/M-Voc (स्तर 6.5)	M-Tech-/ स्नात्कोत्तर डिग्री (इंजीनियरिंग)/स्नात्कोत्तर डिग्री	7.0
9	पीएच.डी/फेलो प्रोग्राम	B-Tech- में 75% अंक या समकक्ष CGPA/PG	–	8.0

राष्ट्रीय क्रेडिट फ्रेमवर्क (NCrF) इंजीनियरिंग के UG और PG पाठ्यक्रमों के लिए

बी.टेक. पाठ्यक्रम के दूसरे वर्ष के बाद बाहर निकलने वाले छात्रों को आईटी/हार्डवेयर नेटवर्किंग/मेटलैब या शाखा विशेष कौशल मॉड्यूल पर कौशल मॉड्यूल का पालन करना होगा। बी.टेक. के तीसरे और चौथे वर्ष का पाठ्यक्रम पहले से ही इंजीनियरिंग विशिष्ट है, तीन वर्षों के बाद बाहर निकलने वाले छात्रों को यूजी डिग्री/बी. वोक/बी.एससी (इंजीनियरिंग) प्रदान की जा सकती है।

पहले वर्ष के बाद बाहर निकलने वाले डिप्लोमा छात्रों को व्यावसायिक प्रमाणपत्र (सी.वोक.) और दूसरे वर्ष के बाद बाहर निकलने वाले छात्रों को औद्योगिक प्रशिक्षण प्रमाणपत्र (आईटीसी)/व्यावसायिक डिप्लोमा प्रदान किया जा सकता है।

प्रत्येक प्रवेश स्तर पर, विश्वविद्यालय शैक्षिक अंतर/कौशल अंतर की पहचान करेगा और उपयुक्त ब्रिज कोर्स की पेशकश की जा सकती है।

विशेषीकरण एआईसीटीई द्वारा समय–समय पर प्रकाशित अनुमोदन प्रक्रिया पुस्तिका के अनुसार होगा।

25.उपस्थिति

उपस्थिति की आवश्यकता परीक्षाओं को नियंत्रित करने वाले विश्वविद्यालय अध्यादेश के अनुसार होगी। सामान्य तौर पर, अंतिम सेमेस्टर परीक्षा में उपस्थित होने के लिए प्रत्येक पाठ्यक्रम में कम से कम पचहत्तर प्रतिशत की उपस्थिति आवश्यक होगी।

लंबी बीमारी जैसे विशेष कारणों से प्रत्येक पाठ्यक्रम में उपस्थिति के प्रतिशत में कमी को कुलपति द्वारा संबंध डीन के अनुमोदन से माफ किया जा सकता है।

26.परीक्षा एवं मूल्यांकन

किसी दिए गए अनुशासनात्मक/विषय क्षेत्र और अध्ययन पाठ्यक्रम के लिए उपयुक्त विभिन्न प्रकार की मूल्यांकन विधियों का उपयोग पाठ्यक्रम/पाठ्यक्रम सीखने के परिणामों की दिशा में प्रगति का आकलन करने के लिए किया जाएगा। रचनात्मक मूल्यांकन को प्राथमिकता दी जाएगी। मूल्यांकन निरंतर मूल्यांकन पर आधारित होगा, जिसमें सेशनल कार्य और टर्मिनल परीक्षा अंतिम ग्रेड में योगदान देगी। सत्रीय कार्य में कक्षा परीक्षण, मध्य–सेमेस्टर परीक्षा, होमवर्क असाइनमेंट आदि शामिल होंगे, जैसा कि अध्ययन के पाठ्यक्रमों के प्रभारी संकाय द्वारा निर्धारित किया जाएगा। सीखने के परिणामों की उपलब्धि की दिशा में प्रगति का मूल्यांकन निम्नलिखित का उपयोग करके किया जाएगारू समय–बाधित परीक्षाऐं बंद किताब और खुली किताब परीक्षणय समस्या–आधारित कार्यय व्यावहारिक असाइनमेंट प्रयोगशाला रिपोर्टय व्यावहारिक कौशल का अवलोकनय व्यक्तिगत परियोजना रिपोर्ट (केस–स्टडी रिपोर्ट)य टीम परियोजना रिपोर्टय संगोष्ठी प्रस्तुति सहित मौखिक प्रस्तुतियाँय मौखिक साक्षात्कारय कम्प्यूटरीकृत अनुकूली मूल्यांकन, मांग पर परीक्षा, मॉड्यूलर प्रमाणन, आदि।

प्रत्येक पाठ्यक्रम एक परीक्षा पेपर के अनुरूप होगा जिसमें बाहरी और आंतरिक मूल्यांकन शामिल होंगे। मेजर, माइनर, ओपन/जेनेरिक और डीएससी (अनुशासन विशिष्ट पाठ्यक्रम) व्यावसायिक, मूल्य वर्धित, एसईसी (कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम) और एईसी (क्षमता संवर्धन पाठ्यक्रम) के लिए सेमेस्टर अंत सिद्धांत परीक्षाएं अनुमोदित परीक्षा नियमों के माध्यम से प्रख्यापित अवधि की होंगी। थ्योरी/प्रैक्टिकल/ट्यूटोरियल, आंतरिक, बाहरी परीक्षाओं के लिए क्रेडिट संरचना और एक परीक्षा के लिए कुल अंक यूजीसी मानदंडों के अनुसार विश्वविद्यालय की अकादमिक परिषद द्वारा अनुमोदित पाठ्यक्रम संरचना के अनुसार होंगे। छात्रों को विश्वविद्यालय के परीक्षा नियमों के अनुसार, संबंधित पाठ्यक्रमों में उत्तीर्ण घोषित होने के लिए अलग–अलग आंतरिक और बाहरी परीक्षाओं में न्यूनतम उत्तीर्ण अंक प्राप्त करना होगा।

26.1 मूल्यांकन के माध्यम से प्रत्येक सेमेस्टर के लिए निर्धारित अध्ययन पाठ्यक्रमों के संबंध में उम्मीदवार के शैक्षणिक प्रदर्शन का मूल्यांकन किया जाएगा। कार्यक्रम में प्रवेश पाने वाले विद्यार्थियों का मूल्यांकन निम्न पर आधारित होगा

26.1.1 अंतिम सेमेस्टर परीक्षाएँ – कुल अंकों का 70%अंक और

26.1.2 सतत आंतरिक मूल्यांकन– कुल अंकों का 30%

26.2 अंतिम सेमेस्टर की परीक्षाएं विष्वविद्यालय द्वारा अधिसूचित शैक्षणिक कैलेंडर के अनुसार आयोजित की जाएंगी और अंतिम सेमेस्टर की परीक्षा की अवधि तीन या दो घंटे होगी।

26.3 प्रत्येक सेमेस्टर में कार्यक्रम उत्तीर्ण करने के लिए अंकों का न्यूनतम प्रतिशत अंतिम सेमेस्टर परीक्षाओं और निरंतर मूल्यांकन सहित प्रत्येक पाठ्यक्रम में 40%होगा।

26.4 एक कार्यक्रम में प्रत्येक सेमेस्टर में एक निर्दिष्ट संख्या में क्रेडिट होंगे। छात्र द्वारा संतोषजनक ढंग से उत्तीर्ण किए गए ग्रेड अंकों के साथ क्रेडिट की संख्या छात्र के प्रदर्शन को मापेगी।

26.5 सेमेस्टर परीक्षा परिणामों में निम्नलिखित श्रेणियां होंगीः

26.5.1 उत्तीर्ण, अर्थात, जो सेमेस्टर परीक्षा के सभी पाठ्यक्रमों में आंतरिक और बाह्य परीक्षा में अलग–अलग उत्तीर्ण हुए हैं।

26.5.2 पदोन्नत (एटीकेटी), यानी, जिन्होंने किसी विशेष वर्ष में दोनों सेमेस्टर (सम और विषम) सहित न्यूनतम 50% क्रेडिट अर्जित किए हैं या जिन्होंने विषम सेमेस्टर में किसी भी संख्या में क्रेडिट अर्जित किया है।

26.5.3 हिरासत में लिया गया, अर्थात, जिन्हें उपरोक्त प्रावधानों के अनुसार पदोन्नत नहीं किया गया है, उन्हें हिरासत में लिया जाएगा। ऐसे छात्रों को इस अध्यादेश के प्रावधानों के अनुसार आवश्यक क्रेडिट (पहले से अर्जित क्रेडिट को छोड़कर) अर्जित करने के लिए अगले शैक्षणिक सत्र की परीक्षा में उपस्थित होना होगा और उसके बाद ही वह इस अध्यादेश के प्रावधानों के अनुसार निर्धारित अवधि के भीतर कार्यक्रम जारी रख सकते हैं।

26.6 हालाँकि, किसी भी सेमेस्टर का कोई छात्र जिसे कम उपस्थिति के कारण रोका गया है / परीक्षा में उपस्थित नहीं हुआ है / परीक्षा के लिए आवेदन नहीं किया है / आवेदन किया है लेकिन उपस्थित नहीं हुआ है, उसे कार्यक्रम से बाहर कर दिया जाएगा। ऐसे छात्र को विष्वविद्यालय द्वारा अपनाई/अधिसूचित प्रक्रिया के माध्यम से पूर्व छात्र के रूप में अगले सत्र में प्रवेश लेना होगा।

27. सतत आंतरिक मूल्यांकन

27.1 सतत आंतरिक मूल्यांकन पाठ्यक्रम के लिए आवंटित कुल अंकों का 30% होगा।

27.2प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए सतत आंतरिक मूल्यांकन के घटकों का निर्णय संबंधित विषय के अध्ययन बोर्ड द्वारा किया जाएगा।

27.3 एटीकेटी छात्रों के मामले में सतत आंतरिक मूल्यांकन को आगे बढ़ाया जाएगा, किसी भी परिस्थिति में एटीकेटी छात्रों के लिए आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा आयोजित करने का कोई प्रावधान नहीं होगा।

28. MOOCSऔर व्यावसायिक कोर्सों की मूल्यांकन और प्रमाणपत्रीकरण:

MOOCSव्यावसायिक कोर्सों, क्षेत्रीय परियोजनाओं/ अंतर्निहित/ अपरेंटिसशिप/ समुदाय सेवा/ अनुसंधान परियोजना की मूल्यांकन और प्रमाणपत्रीकरण के लिए विश्वविद्याल;/ SWAYAM पोर्टल/ UGC के दिशानिर्देशों का पालन किया जाएगा।

29. अक्षरीय ग्रेड और ग्रेड प्वाइंट्स

सेमेस्टर ग्रेड प्वाइंट औसत (SGPA) छात्र के प्रदर्शन का माप होता है जो एक दिए गए सेमेस्टर में होता है। SGPA वर्तमान अवधि के अंकों पर आधारित होता है, जबकि कुल संचयी ग्रेड प्वाइंट औसत (CGPA) अध्ययन कार्यक्रम में शामिल होने के बाद सभी कोर्सों के अंकों पर आधारित होता है।

उच्च शिक्षा संस्थान (HEI) छात्रों के लाभ के लिए प्रत्येक कोर्स में प्राप्त अंक और सभी सेमेस्टर्स में प्राप्त अंकों के आधार पर अंकों का बजाय यथार्थ औसत भी उल्लेख कर सकते हैं।

सारणी–3: ग्रेडिंग प्रणाली

LetterGrade	GradePoints	Description	RangeofMarks (%)
O	10	Outstanding	>90 to <=100
A+	9	Excellent	>80 to <=90
A	8	VeryGood	>70 to <=80
B+	7	Good	>60 to <=70
B	6	AboveAverage	>50 to <=60
C	5	Average	>40 to <=50
P	4	Pass	=40
F	0	Fail	<40
Ab	0	Absent	Absent

SGPA और CGPA की गणना

UGCनिम्नलिखित प्रक्रिया की सिफारिश करती है SGPA और CGPA की गणना के लिए:

a.SGPA एक छात्र द्वारा सभी कोर्सेज में लिए गए सभी कोर्सों के क्रेडिट संख्या के ग्रेड प्वाइंट से उनके गुणांक के योग का अनुपात होता है, अर्थात

$$SGPA(Si) = \sum(CixGi) / \sum Ci$$

यहाँ, Ci पाठ्यक्रम की पजी कोर्स क्रेडिट संख्या है और Gi छात्र द्वारा पजी कोर्स में प्राप्त ग्रेड प्वाइंट है।

SGPA की गणना का उदाहरण

Semester	Course	Credit	LetterGrade	Gradepoint	(CreditxGrade)
1	Course1	3	A	8	3 x8=24
1	Course1	4	B +	7	4 x7=28
1	Course1	3	B	6	3 x6=18
1	Course1	3	O	10	3 x10 = 30
1	Course1	3	C	5	3 x5=15
1	Course1	4	B	6	4 x6=24
		20			139
SGPA					139/20=6.95

b.कुल ग्रेड प्वाइंट औसत (CGPA) भी उसी तरीके से गणित किया जाता है, जिसमें छात्र के द्वारा किए गए सभी सेमेस्टरों के सभी पाठ्यक्रमों को ध्यान में रखते हुए, अर्थात,

$$CGPA = \Sigma (Ci \hat{U} Si) / \Sigma Ci$$

यहां, Si पाठ्यक्रम के पजी सेमेस्टर का SGPA है और Ci उस सेमेस्टर में क्रेडिट की कुल संख्या है।

CGPA की गणना का उदाहरण

Semester1	Semester2	Semester3	Semester4
Credit20 SGPA6.9	Credit20 SGPA7.8	Credit20 SGPA5.6	Credit20 SGPA6.0
CGPA=(20 x6.9 +20x7.8+20x5.6 +20x6.0)/80 = 6.6			

उपाधि/डिप्लोमा/डिग्री प्राप्ति के सभी आवश्यक योग्यताओं को पूरा करने पर, CGPA की गणना की जाएगी, और इस मान को प्रमाणपत्र/डिप्लोमा/डिग्री पर दर्शाया जाएगा। 3 वर्ष (6 सेमेस्टर) और 4 वर्ष (8 सेमेस्टर) के स्नातक डिग्री में भी **तालिका 4** के अनुसार प्राप्त विभाजन को इंगित किया जाना चाहिए:

तालिका 4रू विभाजन का वितरण

Division	Criterion
First division with distinctions	Thecandidatehasearnedminimumnumberofcreditsfortheaward of thedegreewith CGPAof7.5 orabove
Firstdivision	Thecandidatehasearnedminimumnumberofcreditsrequired for the award of the degree with CGPA of 6.0abovebut less than 7.5
Second Division	Thecandidatehasearnedminimumnumberofcreditsrequired for the award of the degree with CGPA of 4.5 orabovebut less than 6.00
Third Division	Thecandidatehasearnedminimumnumberofcreditsrequired for the award of the degree with CGPA of 4.00 or abovebut less than 4.5

टिप्पणी: CGPA को प्रतिशत में बदलने का प्रक्रिया निम्नलिखित होगी ताकि इसका अन्य शैक्षिक मामलों में उपयोग किया जा सके।

समकक्ष प्रतिशत = CGPA × 10 प्रतिशत को दूसरे दशमलव बिंदु तक गोल मारा जाएगा।

उम्मीदवार को प्रमाणपत्र/डिप्लोमा/डिग्री प्राप्त किया जाएगा जब वह सफलतापूर्वक प्रमाणपत्र/डिप्लोमा/डिग्री के लिए आवश्यक न्यूनतम क्रेडिट प्राप्त कर लेता है।

30. पदोन्नति नियम

30.1 किसी छात्र को पदोन्नत किया जाएगा और वह किसी भी संख्या में बैक पेपर के बावजूद प्रथम सेमेस्टर की अंतिम परीक्षा के तुरंत बाद द्वितीय सेमेस्टर में प्रवेश ले सकता है।

30.2 कोई छात्र द्वितीय सेमेस्टर की अंतिम परीक्षा के तुरंत बाद अनंतिम रूप से तृतीय सेमेस्टर में प्रवेश ले सकता है और उसका प्रवेश निश्चित हो जाएगा और उसे तृतीय सेमेस्टर में पदोन्नत किया जाएगा, बशर्ते उसने प्रथम और द्वितीय सेमेस्टर दोनों को मिलाकर न्यूनतम 50% क्रेडिट अर्जित किए हों।

30.3 किसी छात्र को पदोन्नत किया जाएगा और वह तीसरे सेमेस्टर के तुरंत बाद चौथे सेमेस्टर में प्रवेश ले सकता है, भले ही तीसरे सेमेस्टर में कितने भी बैक पेपर हों।

30.4 कोई छात्र चौथे सेमेस्टर की परीक्षा के तुरंत बाद पांचवें सेमेस्टर में अनंतिम रूप से प्रवेश ले सकता है और उसका प्रवेश निश्चित किया जाएगा और उसे पांचवें सेमेस्टर में पदोन्नत किया जाएगा, बशर्ते उसने तीसरे और चौथे सेमेस्टर दोनों को मिलाकर न्यूनतम 50% क्रेडिट अर्जित किए हों, इसके अलावा छात्र को पहले और दूसरे सेमेस्टर के सभी पेपर पास करने होंगे।

30.5 किसी छात्र को पदोन्नत किया जाएगा और वह पांचवें सेमेस्टर के तुरंत बाद छठे सेमेस्टर में कितने भी बैक पेपर के साथ प्रवेश ले सकता है।

30.6 विषम सेमेस्टर के बैक पेपर की परीक्षाएं विषम सेमेस्टर की अंतिम परीक्षाओं के साथ आयोजित की जाएंगी, इसी तरह सम सेमेस्टर के बैक पेपर की परीक्षाएं सम सेमेस्टर की अंतिम परीक्षाओं के साथ आयोजित की जाएंगी।

30.7 इसके अलावा, चौथे सेमेस्टर तक सभी पेपर पास करने वाले छात्रों के लिए 6वें सेमेस्टर के साथ 5वें सेमेस्टर की विशेष परीक्षा आयोजित की जाएगी।

30.8 अंतिम सेमेस्टर के परिणाम की घोषणा के बाद 6वें सेमेस्टर की विशेष परीक्षा आयोजित की जाएगी; केवल 6वें सेमेस्टर में बैक पेपर वाले छात्र इस विशेष परीक्षा में बैठने के पात्र होंगे।

30.9 कोई छात्र 6वें सेमेस्टर तक के सभी सेमेस्टर पास करने के बाद ही 7वें सेमेस्टर (यूजी का चौथा वर्ष) में प्रवेश ले सकता है।

30.10 कोई छात्र प्रदोन्नति पाएगा और 7वें सेमेस्टर की परीक्षा के तुरंत बाद अनंतिम रूप से 8वें सेमेस्टर (यूजी का चौथा वर्ष) में प्रवेश ले सकता है, भले ही 7वें सेमेस्टर में बैक पेपरों की संख्या कितनी भी हो। इसके अलावा, 7वें सेमेस्टर के बैक पेपर पास करने के लिए 8वें सेमेस्टर के साथ 7वें सेमेस्टर की विशेष परीक्षा आयोजित की जाएगी।

30.11 अंतिम सेमेस्टर के परिणाम की घोषणा के तुरंत बाद 8वें सेमेस्टर की विशेष परीक्षा आयोजित की जाएगी। सेमेस्टर के परिणामों के आधार पर परीक्षा आयोजित की जाएगी। 8वें सेमेस्टर में बैक पेपर वाले कोई भी छात्र इस विशेष परीक्षा में बैठने के लिए पात्र होंगे।

30.12 कोई भी छात्र चौथे वर्ष के प्रारंभ होने से पहले निर्धारित तरीके से उसी के लिए आवेदन करके चौथे वर्ष में ऑनर्स कोर्स चुन सकता है। प्रमुख विषय में चार वर्षीय यूजी ऑनर्स की डिग्री उन लोगों को प्रदान की जाएगी, जिन्होंने तालिका 5 के अनुसार 160 क्रेडिट के बराबर या उससे अधिक के साथ चार वर्षीय डिग्री कार्यक्रम पूरा किया है।

30.13 इसके अलावा, जो छात्र पहले छह सेमेस्टर में 75: या उससे अधिक अंक या समकक्ष 7.5 सीजीपीए प्राप्त करते हैं और स्नातक स्तर पर शोध करना चाहते हैं, वे चौथे वर्ष में एक शोध स्ट्रीम चुन सकते हैं। उन्हें विभाग के किसी संकाय सदस्य के मार्गदर्शन में एक शोध परियोजना या शोध प्रबंध करना चाहिए। शोध परियोजना/शोध प्रबंध प्रमुख विषय में होगा। उनके प्रोजेक्ट कार्य के शोध परिणाम सहकर्मी–समीक्षित पत्रिकाओं में प्रकाशित हो सकते हैं या सम्मेलनों/सेमिनारों में प्रस्तुत किए जा सकते हैं या पेटेंट कराए जा सकते हैं।

30.14 यदि किसी छात्र को रोक दिया जाता है या उच्च सेमेस्टर में पदोन्नत नहीं किया जाता है, तो उसे तब तक रोका जाएगा जब तक कि उसके बैकलॉग पेपर पूरे नहीं हो जाते, जिसके लिए वह अगली उचित परीक्षा में भाग ले सकता है, बशर्ते कि यह कार्यक्रम के लिए अनुमत अधिकतम अवधि के भीतर किया गया हो। ऐसे छात्रों के सतत आंतरिक मूल्यांकन के अंक उस संबंधित पाठ्यक्रम के लिए आगे बढ़ाए जाएँगे जिसमें वह उपस्थित हो रहा है।

30.15 50% क्रेडिट की गणना के लिए सिद्धांत और व्यावहारिक दोनों पाठ्यक्रमों पर विचार किया जाएगा और 0.5 को राउंड अप किया जाएगा।

31.प्रतिलेख जारी करना

लेटर ग्रेड, ग्रेड पॉइंट और एसजीपीए और सीजीपीए पर सिफारिशों के आधार पर, विश्वविद्यालय प्रत्येक सेमेस्टर के लिए प्रतिलेख और सभी सेमेस्टर में प्रदर्शन का संकेत देने वाली एक समेकित प्रतिलेख जारी करेगा।

32. क्रेडिट ट्रांसफर

32.1 क्रेडिट ट्रांसफर समय–समय पर यूजीसी द्वारा जारी दिशानिर्देशों के अनुसार बनाई गई विश्वविद्यालय की नीति के अनुसार लागू किया जाएगा।

32.2 विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (उच्च शिक्षा में अकादमिक बैंक ऑफ क्रेडिट की स्थापना और संचालन) विनियम 2021 के तहत स्थापित अकादमिक बैंक ऑफ क्रेडिट के सदस्य संस्थान समय–समय पर संशोधित इस विनियमन के प्रावधानों के अनुसार क्रेडिट स्वीकार और हस्तांतरित करेंगे।

32.3 अंतिम पदोन्नति के मामलों को छोड़कर, विश्वविद्यालय अपने बीच छात्रों के क्रेडिट हस्तांतरण की सुविधा प्रदान करेंगे, हालांकि, छात्र को उस विश्वविद्यालय द्वारा तैयार किए गए पाठ्यक्रम के लिए समानता रखते हुए कुछ पात्रता मानदंडों को पूरा करने की आवश्यकता हो सकती है जिसमें छात्र प्रवेश चाहता है।

33.यदि इस अध्यादेश के प्रावधानों की व्याख्या के संबंध में कोई प्रश्न उठता है, तो इसे चर्चा और सिफारिशों के लिए प्रबंधन बोर्ड को भेजा जाएगा।

34.इस पाठ्यक्रम से संबंधित वैधानिक निकायों जैसे यूजीसी/एआईसीटीई/पीसीआई/बीसीआई/आरसीआई / सीएओ/किसी अन्य प्रासंगिक नियामक निकाय द्वारा समय–समय पर जारी किए गए दिशानिर्देशों को कार्यान्वयन के लिए अपनाया जाएगा।

35.इस अध्यादेश के अंतर्गत नहीं आने वाले मामलों में विश्वविद्यालय के सामान्य नियम और विनियम लागू होंगे।

36.यदि यूजीसी भविष्य में इस संबंध में अपने विनियमों में कोई बदलाव अधिसूचित करता है, तो उसे विश्वविद्यालय की अकादमिक परिषद और प्रबंधन बोर्ड की मंजूरी के साथ मौजूदा अध्यादेश में शामिल किया जाएगा।

37.उपरोक्त के बावजूद, विश्वविद्यालय यह सुनिश्चित करेगा कि डिग्रीधडिप्लोमा/सर्टिफिकेट के लिए अध्ययन पाठ्यक्रम यूजीसी या संबंधित वैधानिक निकाय के प्रासंगिक नियमों और मानदंडों द्वारा निर्धारित मानक के अनुरूप होगा।

38 सामान्य

38.1 एक बार विद्यार्थी द्वारा उत्तीर्ण हो जाने के बाद, कार्यक्रम को दोहराने या उसमें सुधार करने का कोई प्रावधान नहीं होगा।

38.2 पुनर्मूल्यांकन का कोई प्रावधान नहीं होगा। हालांकि, विष्वविद्यालय के नियम के अनुसार पुनर्मूल्यांकन की अनुमति है।

38.3 बाहर निकलने के विकल्प केवल सम सेमेस्टर के अंत में उपलब्ध होंगे और प्रवेश के विकल्प केवल विषम सेमेस्टर की शुरुआत में प्रचलित पाठ्यक्रम के साथ उपलब्ध होंगे।

38.4 यदि अभ्यर्थी द्वितीय सेमेस्टर की अंतिम परीक्षा देता है और तृतीय सेमेस्टर के लिए छोड़ देता है तथा भविष्य में चतुर्थ सेमेस्टर में प्रवेश लेना चाहता है, तो ऐसे अभ्यर्थियों को चतुर्थ सेमेस्टर में प्रवेश नहीं दिया जाएगा। ऐसे अभ्यर्थी को विष्वविद्यालय के नियमानुसार तृतीय सेमेस्टर में पुनः प्रवेश लेना होगा। यह अन्य विषम सेमेस्टर पर भी लागू है।

38.5 यूजीसीएफ से संबंधित कोई भी बिंदु जो इस अध्यादेश के अंतर्गत शामिल नहीं है, उसे विष्वविद्यालय द्वारा समय–समय पर अपने अध्यादेश/नियम/दिशानिर्देशों के माध्यम से निर्धारित किया जाएगा।

38.6 यदि अध्यादेश में शामिल न किए गए मामलों से संबंधित कोई प्रश्न उठता है, तो विष्वविद्यालय या यूजीसी के अध्यादेश/संविधि में किए गए प्रासंगिक प्रावधान लागू होंगे।

38.7 एबीसी और बहु प्रवेश और निकास से संबंधित कोई भी बिंदु जो इस अध्यादेश में शामिल नहीं है, उन्हें समय–समय पर जारी यूजीसी दिशानिर्देशों/विनियमों के प्रावधानों के अनुसार विष्वविद्यालय के नियमों के अनुसार निपटाया जाएगा।

39.अध्यादेश की व्याख्या पर किसी भी विवाद की स्थिति में अंग्रेजी संस्करण को बाध्यकारी माना जाएगा

40.इस अध्यादेश के कार्यान्वयन से सत्र 2024–25 से संबंधित कार्यक्रमों से संबंधित मौजूदा अध्यादेश निरस्त किए जाएंगे।

Table 5
Table: Sample UGCF for Multidisciplinary Course of Study

Semester	Core (DSC)	Elective (DES)	Generic Elective (GE)	Ability Enhancement Course	Skill Enhancement Course (SEC)	Internship/ Apprenticeship /Project (2)	Value addition Course (VAC)	Total Credits

				(AEC)				
I	Discipline A-1(4) Discipline B-1(4) Discipline C-1(4)		Choose one from a pool of courses GE-1 (4)	Choose one from a pool of AEC courses (2)	Choose one from a pool of courses (2)		Choose one from a pool of courses (2)	**22 Credits**
II	Discipline A-2(4) Discipline B-2(4) Discipline C-2(4)		Choose one from a pool of courses GE-2 (4)	Choose one from a pool of AEC courses (2)	Choose one from a pool of courses (2)		Choose one from a pool of courses (2)	**22 Credits**
Students on exit shall be awarded undergraduate certificated (in the Field of Multidisciplinary study) after securing the requisite 44 credits in semester I and II								**Total = 44 Credits**
III	Discipline A-3(4) Discipline B-3(4) Discipline C-3(4)	Choose one from a pool of courses DSE A/B/C (4) Or Choose one from a pool of courses GE-3(4)		Choose one from a pool of AEC courses (2)	**Choose one SEC OR** Internship/Apprenticeship/Project/community outreach **(2)**		Choose one from a pool of courses (2)	**22 Credits**
IV	Discipline A-4(4) Discipline B-4(4) Discipline C-4(4)	Choose one from a pool of courses DSE A/B/C (4) Or Choose one from a pool of courses GE-4(4)		Choose one from a pool of AEC courses (2)	**Choose one SEC OR** Internship/Apprenticeship/Project/community outreach **(2)**		Choose one from a pool of courses (2)	**22 Credits**
Students on exit shall be awarded undergraduate certificated (in the Field of Multidisciplinary study) after securing the requisite 88 credits on completion of semester IV								**Total = 88 Credits**
V	Discipline A-5(4) Discipline B-5(4) Discipline C-5(4)	Choose one from a pool of courses DSE A/B/C (4)	Choose one from a pool of courses GE-5(4)		**Choose one SEC OR** Internship/Apprenticeship/Project/community outreach **(2)**			**22 Credits**
VI	Discipline A-6(4) Discipline B-6(4) Discipline C-6(4)	Choose one from a pool of courses DSE A/B/C (4)	Choose one from a pool of courses GE-6(4)		**Choose one SEC OR** Internship/Apprenticeship/Project/community outreach **(2)**			**22 Credits**
Students on exit shall be awarded Bachelor of (in the Field of Multidisciplinary study) after securing the requisite 132 credits on completion of semester VI								**Total = 132 Credits**
VII	DSC-(4)	Choose three DSE (3x4) courses **OR** Choose two DSE (2x4) and one GE(4) course **OR** Choose one DSE and two GE(4) courses **OR**				Dissertation on Major (4+2) **OR** Dissertation on Minor (4+2) **OR** Academic project/Entrepreneurship(4+2)		**22 Credits**

		All three GE 7,8 & 9 (Total=12)				
VIII	DSC-(4)	Choose three DSE (3x4) courses **OR** Choose two DSE (2x4) and one GE(4) course **OR** Choose one DSE and two GE(4) courses **OR** All three GE 10,11 & 12 (Total=12)			Dissertation on Major (4+2) **OR** Dissertation on Minor (4+2) **OR** Academic project/Entrepreneurship(4+2)	**22 Credits**
Students on exit shall be awarded Bachelor of (in the Field of Multidisciplinary study) (Honours or Honours with Academic Project/Entrepreneurship) after securing the requisite 176						**Total = 176 Credits**

University Logo

SAMPLE COPY FOR FIRST TO FIFTH

ANNEXURE-S-1

Logo in water mark
------ Name of the University ------

GRADE SHEET

Name of the Institute
Address of the Institute
Name of the Programme

Batch	Year
Enrollment No.	Roll No.
Name of the Student	Examination
Father's/Husband's Name	**Mother's Name**

Programme Code	Programme Title	Credits	Grade	Grade Point	Credit Points (Credits x Grade Point)
	Programme 1	6	A	8	48
	Programme 2	6	C	5	30
	Programme 3	4	B+	7	28
	Programme 4	4	O	10	40
TOTAL		20	-		146
SGPA		146/20			7.30

*Grade in Repeat Examination

RESULT SEMESTER WISE					
SEMESTER	**I**	**II**	**III**	**IV**	**V**
TOTAL CREDITS					
OBTAINED CREDITS					
ADDITIONAL CREDITS					
SGPA					
ATTEMPT					
RESULT					

*SGPA Semester Grade Point Average
CGPA Cumulative Grade Point Average Equivalent Percentage = CGPAx10

Date of Result

Registrar / Controller Examination

University Logo

SAMPLE COPY FOR SIXTH

ANNEXURE-S-2

Logo in water mark

-------- Name of the University ---------

GRADE SHEET

Name of the Institute
Address of the Institute
Name of the Programme

Batch 2021-25	Year
Enrollment No.	Roll No.
Name of the Student	Examination
Father's/Husband's Name	**Mother's Name**

Programme Code	Programme Title	Credits	Grade	Grade Point	Credit Points (Credits x Grade Point)
	Programme 1	6	A	8	48
	Programme 2	6	C	5	30
	Programme 3	4	B+	7	28
	Programme 4	4	O	10	40
TOTAL		20	-		146
SGPA		146/20			7.30

*Grade in Repeat Examination

RESULT SEMESTER WISE					
SEMESTER	**I**	**II**	**III**	**IV**	**V**
TOTAL CREDITS					
OBTAINED CREDITS					
ADDITIONAL CREDITS					
SGPA					
ATTEMPT					
RESULT					

FINAL RESULT PASS			
Total Credits	**CGPA**	**EQUIVALENT PERCENTAGE**	**DIVISION**

CGPA Cumulative Grade Point Average Equivalent Percentage = CGPAx10

Date of Result **Registrar / Controller Examination**

SAMPLE COPY FOR SEVENTH SEMESTER

ANNEXURE-S-3

University Logo

Logo in water mark

-------- Name of the University ---------

GRADE SHEET

Name of the Institute
Address of the Institute
Name of the Programme

Batch 2021-25	Year
Enrollment No.	Roll No.
Name of the Student	Examination
Father's/Husband's Name	**Mother's Name**

Programme Code	Programme Title	Credits	Grade	Grade Point	Credit Points (Credits x Grade Point)
	Programme 1	6	A	8	48
	Programme 2	6	C	5	30
	Programme 3	4	B+	7	28
	Programme 4	4	O	10	40
TOTAL		20	-		146
SGPA		146/20			7.30

*Grade in Repeat Examination

RESULT SEMESTER WISE					
SEMESTER	**I**	**II**	**III**	**IV**	**V**
TOTAL CREDITS					
OBTAINED CREDITS					
ADDITIONAL CREDITS					
SGPA					
ATTEMPT					
RESULT					

FINAL RESULT PASS			
Total Credits	**CGPA**	**EQUIVALENT PERCENTAGE**	**DIVISION**

SGPA Semester Grade Point Average

CGPA Cumulative Grade Point Average Equivalent Percentage = CGPAx10

Date of Result **Registrar / Controller Examination**

University Logo

SAMPLE COPY FOR EIGHTH

ANNEXURE-S-4

Logo in water mark

-------- Name of the University ---------

GRADE SHEET

Name of the Institute

Address of the Institute

Name of the Programme

Batch 2021-25				Year	
Enrollment No.				Roll No.	
Name of the Student				Examination	
Father's/Husband's Name				**Mother's Name**	
Programme Code	Programme Title	Credits	Grade	Grade Point	Credit Points (Credits x Grade Point)
	Programme 1	6	A	8	48
	Programme 2	4	C	5	20
	Programme 3	10	B+	7	70
TOTAL		20	-		138
SGPA		138/20			6.90

*Grade in Repeat Examination

RESULT SEMESTER WISE					
SEMESTER	**I**	**II**	**III**	**IV**	**V**
TOTAL CREDITS					
OBTAINED CREDITS					
ADDITIONAL CREDITS					
SGPA					
ATTEMPT					
RESULT					

SGPA Semester Grade Point Average

FINAL RESULT PASS			
Total Credits	**CGPA**	**EQUIVALENT PERCENTAGE**	**DIVISION**

CGPA Cumulative Grade Point Average Equivalent Percentage = CGPAx10

अटल नगर, दिनांक 23 अगस्त 2024

क्रमांक एफ 3–11/2022/38–2.— भारत के संविधान के अनुच्छेद 348 के खण्ड (3) के अनुसरण में इस विभाग की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 23–08–2024 का अंग्रेजी अनुवाद छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के प्राधिकार से एतद्द्वारा प्रकाशित किया जाता है।

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
आर.पी. पाण्डेय, उप–सचिव.

Atal Nagar, the 23rd August 2024

NOTIFICATION

No. F 3-11/2022/38-2.—Chhattisgarh Private Universities Regulatory Commission, Raipur vide its Letter No. 775/P.U. 07/प्र.परिनियम/2015/20476, Dated 25/07/2024 has approved the subsequent Ordinance No. 32 of O.P. Jundal University, O.P. JundalKnowledge Park, Village-Punjipathara, Tehsil-Gharghoda, District-Raigarh (Chhattisgarh) Under Section 29 (2) of Chhattisarh Private Universities (Establishement & Operation) Act, 2005.

2. The State Government hereby gives its approval for notification of these Ordinance in Official Gazette.

3. The above Ordinance shall come into force with retrospective effect from 1st July, 2024.

By order and in the name of the Governor of Chhattisgarh,
R.P. PANDEY, Deputy Secretary.

O. P. JINDAL UNIVERSITY, RAIGARH (C. G.)
ORDINANCE NO. 32

Ordinance under NEP for Certificate,Diploma,UnderGraduate and Post Graduate programmes as per UGC Guidelines except Governed/Regulated/Approved by BCI, PCI, MCI, ICAR or any other regulatory body relevant to a specific programme.

1. SHORT TITLE AND COMMENCEMENT

1.1 The ordinance shall be called as an ordinance for all the certificates, Diploma, Undergraduate and Postgraduate programmes as per the guidelines issued by UGC New Delhi under National Education Policy 2020, except Governed/Regulated/Approved by BCI, PCI, MCI and ICAR or any other regulatory body relevant to a specific programme.

1.2 This ordinance shall come into force from the academic session 2024-25.

1.3 The provision of the ordinance shall apply to the three year (six semester) Bachelor's Degree or Four year (eight semester) Bachelor's Degree (Honors/ Research), one year/ two-year masters' degree programme approved as per statutes no. 16 of the O. P. Jindal University. except Governed/Regulated/Approved by BCI, PCI, MCI, ICAR or any other regulatory body relevant to a specific programme.

S.No.	Faculty	Programme
1.	SCIENCE	B.Sc./Bachelor of Science M.Sc./ Master of Science Ph.D.
2.	ENGINEERING AND TECHNOLOGY	B. Tech. / Bachelor of Technology M. Tech./ Master of Technology Ph.D.
3.	MANAGEMENT SCIENCE	B. Com. / Bachelor of Commerce BBA / Bachelor of Business Administration BA in Economics/ Bachelor of Arts in Economics MBA/Master in Business Administration, M. Com/Master of Commerce Ph.D.
4.	EDUCATION	BA in Education MA in Education Ph.D.
5.	PHYSICAL EDUCATION	Bachelor of Physical Education and Sports Master of Physical Education and Sports Ph.D.

2. DEFINITION & KEY WORDS

2.1 "**Act**" means the Chhattisgarh Private Universities (Establishment and Operation) Act 2005 and subsequent amendments.

2.2 "**University**" means O. P. Jindal University, Raigarh, Chhattisgarh established under Chhattisgarh Private Universities (Establishment and Operation) Act 2005.

2.3 **"Student"** means one who has been admitted in the various programme of this University as per procedure decided by O. P. Jindal University for Admission to undergraduate/postgraduate degree and postgraduate diploma coursesfrom time to time.

2.4 **"Choice Based Credits System (CBCS)"** means a programme that provides choices for students to select from the prescribed courses (Core Courses, Mandatory Courses, Professional Core, Professional Elective, Open Elective, Minor Track, Value Added, **Skill Enhancement Courses** etc.) as per the guidelines issued by UGC / relevant regulatory bodies where ever applicable and as approved by the appropriate bodies of the University.

2.5 **"Course"** means "papers" through different modes of delivery and is a component of a programme as detailed out in the respective programme structure.

2.6 **"Credits Point"** means the product of grade point and number of credits for a course.

2.7 **"Credits"** means a unit by which the course work is measured. It determines the number of hours of instructions required per week. one credit is equivalent to one hour of teaching (lecture, tutorial, seminar) per week or two hours of practical work/field work/project etc. per week. The number of credits for each course shall be defined in the respective examination scheme.

2.8 **"Cumulative Grade Point Average (CGPA)"** means a measure of overall cumulative performance of a student in all semesters. The CGPA is the ratio of total credits points secured by a student in various courses registered up to the semester concerned and the sum of the total credit points of all the registered courses in those semesters concerned. It is expressed up to two decimal places.

2.9 "**Semester Grade Point Average (SGPA)"** means a measure of the performance of a student in a particular semester. It is the ratio of total credit points secured by a student in various courses registered in a semester and the total credits of all courses in that semester. It shall be expressed up to two decimal places.

2.10 **"Grade Point"** means a numerical weight allotted to each letter grade on a 10-point scale or as prescribed by the University from time to time.

2.11 **"Letter Grade"** means an index of the performance of students in a course. Grades are denoted by letters O, A+, A, B+, B, C, P and F.

2.12 **"Semester"** means an academic session spread over 14-20 weeks of teaching work. The odd semester may normally be scheduled from July to December and even semester from January to June.

2.13 **"Grade Sheet"** means a certificate based on the grades earned. Grade sheet shall be issued to all the students registered for the examination after every semester. The grade sheet will contain the course details (code, title, number of credits, grade secured) along

with SGPA of the semester and CGPA earned till that semester. The final semester grade sheet shall also reflect the cumulative total of marks obtained by the student in all semesters out of maximum marks allocated for which the grades of the programme were evaluated. However, the final result will be based on the grades/CGPA.

2.14 **"Transcript**" means a certificate issued to all enrolled students in a programme after successful completion of the programme. It contains the SGPA of all semesters and the CGPA.

2.15 **"NEP"** means National Education policy-2020.

2.16 **"NSQF"** means National Skills Qualifications Framework defined in NEP 2020.

2.17 **"NHEQF"**National Higher Education Qualification Framework defined in NEP 2020.

2.18 **"UCF"** means Unified Credits Framework defined in NEP 2020.

2.19 **"Undergraduate Certificate Course"** means students who completed the requirement of NHEQF level 4.5/ UCF level 5.

2.20 **"Undergraduate Diploma Course** " means students who completed the requirement of NHEQF level 5 / UCF level 6.

2.21 **"Bachelor Degree"** means students who completed the requirement ofNHEQF level 5.5/ UCF level 7.

2.22 **"Bachelor Degree (Honours/Research)"** means students who completed the requirement of NHEQF level 6/ UCF level 8.

2.23 **"Post Graduate Degree Course"** 2-year PG: Students entering 2-year PG after a 3-year UG programme OR 1-year PG: Students entering 1-year PG after a 4-year UG programme with Honours / Research.

2.24 **"Post Graduate Diploma Course"** For the PG programme, there shall only be one exit point for those who join the two-year PG programme. Students who exit at the end of 1st year shall be awarded a Postgraduate Diploma.

2.25 **"Course Registration"** refers to the registration to courses of study in every semester by every student under the supervision of a faculty advisor (also called mentor, counsellor, class teacher, etc.), in the University to maintain the proper record.

2.26 **"Course Evaluation"** represents the measurement of the impact of the teaching-learning process and offers an opportunity for improving the quality of learning in courses and teaching performance. Course evaluation is done by adopting different methods such as tests, quizzes, assignments, etc., during the teaching-learning period at the end of some modules or chapters of syllabus contents and at the end of the semester. The former part of the evaluation is called the continuous internal assessment and the later part of the evaluation is called end semester assessment.

2.27 **"CBCS"**Each course carries a defined number of credits. The credits are based on the course structure, including the teaching mode and the number of contact hours for lectures, tutorials, and practical classes. Credits are based on the number of contact hours, course content, and teaching methodology and allotted maximum marks.

The credits will be awarded by the University. The credits can be calculated as follows:

- One hour of theory/tutorial or two hours of laboratory work per week for 12-15 weeks resulting in the award of one credit.
- Credits for internship shall be one credit per week of training, subject to a maximum of six credits in a semester.
- Project/Dissertation: two hours of Project/Research work per week for 12-15 weeks resulting in the award of one credit.

2.28 **"Academic Bank of Credits (ABC)"**, is a national-level facility which will promote the flexibility of the curriculum framework and interdisciplinary/multidisciplinary academic mobility of students across the higher education institutions (HEIs) in the country with appropriate "credit transfer" mechanism.

2.29 **"Multiple Entry-Exit"** means the multiple entries and exit points in the academic programs offered at HEIs that would remove rigid boundaries and create new possibilities for students. There are occasions when learners have to give up their education mid-way for various reasons. To facilitate flexible learning within the stipulated period, multiple exit and entry options are given to needy students. The student can exit from the programme only at the end of the even semester/s (2^{nd},4^{th}, and 6^{th} semester) and the entry option is provided to the students at the beginning of the odd semester/s (3^{rd}, 5^{th} and 7^{th} semester).

3. ELIGIBILITY FOR ADMISSION

3.1 Admission rules and guidelines for admission to these programmes shall be as per rules and regulations framed by UGC and the State Government from time to time.

3.2 The student who has passed the Grade 12^{th} Examination from CG Board of SecondaryEducation,ChhattisgarhoranequivalentexaminationfromanyotherboardrecognizedbytheStateandCentralGovernmentandotherstatutorybodies orfulfills eligible conditions as laid down by concerned regulatory body, in which case the later shall prevail to these Undergraduate Program.

Number of Seats:

3.3 Student enrolment in a program shall be restricted to the seats allotted by the University.To start any under graduate program the student in take shall be 60 and for the postgraduate program it shall be 40.The basic unit shall be multiples of the unit can also be set up by the Board of Management (BOM).

3.4 The in-take capacity shall be determined in advance by the University under the provisions of this Ordinance and shall be applicable from the academic session 2024-25.

3.5 Depending upon the academic and physical facilities available, the University may year mark seats to a maximum of 10% of the seats sanctioned for the previous year of the programme for lateral entrants in the second year, third year, fourth year of a first-degree programme,if the students have successfully completed the first year/second year/third year of the same programme in any institution and wants tore-enter into the programme after a break in studies with information to CGPURC.

3.6 Indian HEIs may admit international students based on the equivalence of entry qualification held by them the equivalence is to be determined by the university grant commission or any other body recongnized by UGC for such purpose or the concerned regulatory bodies of the country HEIs may adopt a transparent admission process for admitting the international students

3.6.1 HEIs may create up to 25% supernumerary seats for international students, over and above of their total sanctioned enrolment for Undergraduate and Postgraduate programmes. The decision regarding25% supernumerary seats has to be carried out by the concerned higher educational institutions as per specific guidelines/regulations issued by the regulatory bodies considering thenfrastructure, faculty and other requirements.

3.6.2 The 25% of the supernumerary seats for international students will not include the international students under exchange programmes 0rland through Memorandum of Understanding (MoU) between institutions or between Government of India and Other countries.

3.6.3 Depending on the availability of infrastructure and qualified faculty, efforts should Be made to distribute these 25% seats among all departments, schools, centres or any other academic unit of the higher educational institution. wherever possible.

3.6.4 The supernumerary seats shall be exclusively meant for the international students Both in the Undergraduate and Post-graduate programmes. A seat remained unfilled in the supernumerary category, shall not be allocated to anyone other than an international student. International students in this context shall be defined as the one who shall possess a foreign passport.

3.6.5 The provision of creating supernumerary seats for international students should be formalized by way of approval of statutory body/bodies of the HEIs in accordance with the guidelines/regulations issued by the regulatory bodies from time to time.

3.6.6 The supernumerary seats in professional and technical institutes shall be governed the respective statutory bodies.

3.6.7 Supernumerary seats for Ph.D. programmes shall be governed by the Regulations

notified by the University Grants Commission from time to time in this regard.

3.6.8 All HEIs shall have an 'Office for International Students'. Year-wise details, i.e., country, number, programme/subject, duration etc., regarding the international students in the HEI be maintained by it and be made available on their website.

3.6.9 All details regarding number of seats available for international students in each programme, fee prescribed for the same, admission process, eligibility conditions etc. shall be made available on the website of the HEI.

3.7 The 10% of the supernumerary seats for international students shall not include theinternational students under exchange programmes or/and through Memorandum ofUnderstanding(MoU)betweeninstitutionsorbetweenGovernmentofIndiaandotherc ountries.

3.8 Documents required (TC/CC/Migration etc.) for admission to these programs by National or International students shall be as per guidelines issued by regulatory bodies or decided by the Academic Council with prior approval from the Board of Management.

3.9 To enable multiple entry and exit points in the academic programmes, qualificationssuch as certificate, diploma, and degree are organized in a series of levels in anascendingorderfromlevel 4.5 tolevel6.Level 4.5 representsCertificate,level5represents Diploma, level 5.5 represents bachelor's degree and 6 represents BachelorDegree(Honors/ Honors with Research)/B.Tech./B.E./PG-Diploma qualification. Qualification and minimum credit requirements are as mentioned in **Table-1.** The entry and exitoptionsforstudents, whoenterthe undergraduate programme,shall be as under:

UG Certificate: Students who opt to exit after completion of the first year and havesecured 40 credits shall be awarded a UG certificate if, in addition, they complete onevocationalcourseof4creditsduringthesummervacationofthefirstyear.Thesestuden ts are allowed to re-enter the degree programme within three years and completethedegreeprogrammewithin thestipulated maximum period ofseven years.

UG Diploma: Students who opt to exit after completion of the second year and havesecured 80 credits shall be awarded the UG diploma if, in addition, they complete onevocational course of 4 credits during the summer vacation of the second year. Thesestudents are allowed to re-enter within a period of three years and complete the degreeprogrammewithin the maximum period of sevenyears.

3 year UG Degree: Students who wish to undergo a 3-year UG programme shall beawarded UG Degree in the Major discipline after successful completion of three years,securing 120 credits and satisfying the minimum credit requirement.

4 year UG Degree (Honours): A four-year UG Honours degree in the major disciplineshall be awarded to those who complete a four-year degree programme with 160 creditsandhavesatisfied thecredit requirements as givenin**Table1**.

4 year UG Degree (Honours with Research): Students who secure 75% marks andabove in the first six semesters and wish to undertake research at the undergraduate levelcan choose a research stream in the fourth year. They should do a research project ordissertation under the guidance of a faculty member of the University. Theresearch project/dissertation shall be in the major discipline. The students who secure 160credits, including 12 credits from a research project/dissertation, are awarded UG Degree(Honourswith Research).

UG Degree Programmes with Single Major:A student has to secure a minimum of50% credits from the major discipline for the 3-year/4-year UG degree to be awarded asinglemajor.

UG Degree Programmes with Double Major: A student has to secure a minimum of40% credits from the second major discipline for the 3-year/4-year UG degree to beawardedadouble major.

Interdisciplinary UG Programmes: The credits for core courses shall be distributedamongtheconstituentdisciplines/subjectssoastogetcorecompetenceinthein terdisciplinaryprogramme.

MultidisciplinaryUGProgrammes: Inthecaseofstudentspursuingamultidisciplinary programme of study, the credits to core courses shall be distributedamong the broad disciplines such as Life sciences, Physical Sciences, Mathematical andComputerSciences, Data Analysis, Social Sciences,Humanities, etc.,

The statutory bodies of the University such as the Board of Studies and AcademicCouncil shall decide on the list of courses under major category and credit distribution fordoublemajor,interdisciplinaryandmultidisciplinaryprogrammes.MinimumCredit Requirementsto AwardDegreeunder Each Category

Table – 1

Qualification Type and Credit Requirements

NHEQF levels	Qualification title/nomenclature	Credit Requirements (Minimum)
Level 4.5	Undergraduate Certificate (in the field of learning/discipline) for those who exit after the first year (2 semesters) of the undergraduate programme. (Programme duration: First year or 2 semesters of the undergraduate programme)	40 credits
Level 5	Undergraduate Diploma (in the field of learning/discipline) for those who exit after the first two years (4 semesters) of the undergraduate programme (Programme duration: First two years or 4 semesters of the undergraduate programme)	80 credits
Level 5.5	Bachelor's Degree (examples: Bachelor of Arts; Bachelor of Science; Bachelor of Commerce; Bachelor of Business Administration, etc.(Programme duration: Three years or 6 semesters).	120 credits
Level 5.5	Bachelor of Vocation (B.Voc). (Programme duration: 3 years or 6 semesters).	120 credits
Level 6	Bachelor of Engineering (B.E.); Bachelor of Technology (B.Tech.) (Programme duration: Four years or	160 credits
Level 6	B.A., B.Ed.; B.Sc., B.Ed.; B.Com., B.Ed. (4-year dual-degree Integrated Teacher Education Programme)	160 credits)
Level 6	Bachelor's\ Degree (Honours/ Honours with Research). (Programme duration: Four years or 8 Semesters).	160 credits
Level 6	Post-Graduate Diploma. For those who exit after successful completion of the first year or two semesters of the 2-year master's programme). (Programme duration: One year or 2 semesters).	40 credits
Level 6.5	Master's degree. (e.g. M.A.; M.Com., M.Sc.; etc.) (Programme duration: Two years or four semesters after obtaining a 3-year Bachelor's degree).	80 credits
Level 6.5	Master's degree (e.g. M.A.; M.Com., M.Sc.; etc.) (Programme duration: One year or 2 semesters after obtaining a 4- year Bachelor's degree (Honours/ Honours with Research)	40 credits
Level 7	Master's degree (e.g. ME; M.Tech. etc.) (Programme duration: Two years or four semesters after obtaining a Bachelor's degree (e.g. B.E., B.Tech.etc.).	80 credits
Level 8	Doctoral Degree	Credits for course work and, a thesis and published work

Note: -

1. Honours students not undertaking research will do 3 courses for 12 credits in lieu of a research project / Dissertation.
2. As per the guidelines promulgated by UGC/Statutory bodies, the university may allot additional credits in a manner that will facilitate the students to meet the minimum credit requirements.

4. CURRICULAR COMPONENTS OF THE UNDERGRADUATE PROGRAMME

The curriculum consists of major stream courses, minor stream courses and courses from other disciplines, language courses, skill courses, and a set of courses on Environmental education, understanding India, Digital and technological solutions, Health & Wellness, Yoga education, and sports and fitness. At the end of the second semester, students can decide either to continue with the chosen major or request a change of major. The minor stream courses include vocational courses which will help the students to be equipped with job-oriented skills.

5. DISCIPLINARY/INTERDISCIPLINARY MAJOR:

The major would provide the opportunity for a student to pursue in-depth study of a particular subject or discipline. Students may be allowed to change major within the broad discipline at the end of the second semester by giving her/him sufficient time to explore interdisciplinary courses during the first year. Advanced-level disciplinary/interdisciplinary courses, a course in research methodology, and a project/dissertation will be conducted in the seventh semester. The final semester will be devoted to seminar presentation, preparation, and submission of project report/dissertation. The project work/dissertation will be on a topic in the disciplinary programme of study or an interdisciplinary topic.

6. DISCIPLINARY/INTERDISCIPLINARY MINORS:

Students will have the option to choose courses from disciplinary/interdisciplinary minors and skill-based courses relating to a chosen vocational education programme. Students who take a sufficient number of courses in a discipline or an interdisciplinary area of study other than the chosen major will qualify for a minor in that discipline or in the chosen interdisciplinary area of study. A student may declare the choice of the minor and vocational stream at the end of the second semester, after exploring various courses.

7.VOCATIONAL EDUCATION AND TRAINING:

Vocational Education and Training will form an integral part of the undergraduate programme to impart skills along with theory and practical. A minimum of 12 credits will be allotted to the 'Minor' stream relating to Vocational Education and Training and these can be related to the major or minor discipline or choice of the student. These courses will be useful to find a job for those students who exit before completing the programme.

8.COURSES FROM OTHER DISCIPLINES (MULTIDISCIPLINARY) (9 CREDITS):

All UG students are required to undergo 3 introductory-level courses relating to any of the broad disciplines given below. These courses are intended to broaden the intellectual experience and form part of liberal arts and science education. Students are not allowed to choose or repeat courses already undergone at the higher secondary level (12th class) in the proposed major and minor stream under this category.

8.1 **Natural and Physical Sciences:** Students can choose basic courses from disciplines such as Natural Science, for example, Biology, Botany, Zoology, Biotechnology, Biochemistry, Chemistry, Physics, Biophysics, Astronomy and Astrophysics, Earth and Environmental Sciences, etc.

8.2 **Mathematics, Statistics, and Computer Applications**: Courses under this category will facilitate the students to use and apply tools and techniques in their major and minor disciplines. The course may include training in programming software like Python among others and applications software like STATA, SPSS, Tally, etc. Basic courses under this category will be helpful for science and social science in data analysis and the application of quantitative tools.

8.3 L**ibrary, Information, and Media Sciences:** Courses from this category will help the students to understand the recent developments in information and media science (journalism, mass media, and communication)

8.4 **Commerce and Management**: Courses include business management, accountancy, finance, financial institutions, fintech, etc.

8.5 **Humanities and Social Sciences:** The courses relating to Social Sciences, for example, Anthropology, Communication and Media, Economics, History, Linguistics, Political Science, Psychology, Social Work, Sociology, etc. will enable students to understand individuals and their social behaviour, society, and nation. Students be introduced to survey methodology and available large-scale databases for India. The courses under humanities include for example, Archaeology, History, Comparative Literature, Arts & Creative expressions,

Creative Writing and Literature, language(s), Philosophy, etc., and interdisciplinary courses relating to humanities. The list of Courses that can include interdisciplinary subjects such as Cognitive Science, Environmental Science, Gender Studies, Global Environment & Health, International Relations, Political Economy and Development, Sustainable Development, Women's and Gender Studies, etc. will be useful in understanding society.

9.ABILITY ENHANCEMENT COURSES (AEC) (08 CREDITS): MODERN INDIAN LANGUAGE (MIL) & ENGLISH LANGUAGE FOCUSED ON LANGUAGE AND COMMUNICATION SKILLS.

Students are required to achieve competency in a Modern Indian Language (MIL) and in the English language with special emphasis on language and communication skills. The courses

aim at enabling the students to acquire and demonstrate the core linguistic skills, including critical reading and expository and academic writing skills, that help students articulate their arguments and present their thinking clearly and coherently and recognize the importance of language as a mediator of knowledge and identity. They would also enable students to acquaint themselves with the cultural and intellectual heritage of the chosen MIL and English language, as well as to provide a reflective understanding of the structure and complexity of the language/literature related to both the MIL and English language. The courses will also emphasize the development and enhancement of skills such as communication, and the ability to participate/conduct discussion and debate.

10.SKILLS ENHANCEMENT COURSES (SEC):

These courses are aimed at imparting practical skills, hands-on training, soft skills, etc., to enhance the employability of students. The University may design courses as per the students' needs and available resources.

11.VALUE-ADDED COURSES (VAC) COMMON TO ALL UG STUDENTS (6-8 CREDITS)

11.1 Understanding India: The course aims at enabling the students to acquire and demonstrate the knowledge and understanding of contemporary India with its historical perspective, the basic framework of the goals and policies of national development, and the constitutional obligations with special emphasis on constitutional values and fundamental rights and duties. The course would also focus on developing an understanding among student-teachers of the Indian knowledge systems, the Indian education system, and the roles and obligations of teachers to the nation in general and to the school/community/society. The course will attempt to deepen knowledge about and understanding of India's freedom struggle and of the values and ideals that it represented to develop an appreciation of the contributions made by people of all sections and regions of the country, and help learners understand and cherish the values enshrined in the Indian Constitution and to prepare them for their roles and responsibilities as effective citizens of a democratic society.

11.2 Environmental science/education: The course seeks to equip students with the ability to apply the acquired knowledge, skills, attitudes, and values required to take appropriate actions for mitigating the effects of environmental degradation, climate change, and pollution, effective waste management, conservation of biological diversity, management of biological resources, forest and wildlife conservation, and sustainable development and living. The course will also deepen the knowledge and understanding of India's environment in its totality, its interactive processes, and its effects on the future quality of people's lives.

11.3 Digital and technological solutions: Courses in cutting-edge areas that are fast gaining prominences, such as Artificial Intelligence (AI), 3-D machining, big data analysis, machine learning, drone technologies, and Deep learning with important applications

to health, environment, and sustainable living that will be woven into undergraduate education for enhancing the employability of the youth.

11.4 Health & Wellness, Yoga education, sports, and fitness: Course components relating to health and wellness seek to promote an optimal state of physical, emotional, intellectual, social, spiritual, and environmental well-being of a person. Sports and fitness activities will be organized outside the regular University working hours. Yoga education would focus on preparing the students physically and mentally for the integration of their physical, mental, and spiritual faculties, and equipping them with basic knowledge about one's personality, maintaining self-discipline and self-control, to learn to handle oneself well in all life situations. The focus of sports and fitness components of the courses will be on the improvement of physical fitness including the improvement of various components of physical and skills-related fitness like strength, speed, coordination, endurance, and flexibility; acquisition of sports skills including motor skills as well as basic movement skills relevant to a particular sport; improvement of tactical abilities; and improvement of mental abilities.

The University may introduce other innovative value-added courses relevant to the discipline or common to all UG programmes.

12. Indian Knowledge System

Course content related to Indian Knowledge System (IKS) shall also be incorporated in syllabus.

12.1 IKS shall be an integral part of the UG course curriculum for all disciplines.

12.2 The credits taken into IKS should be at least 5% of total mandated credits in Four Years UG programmes. At least 50% of the credits apportioned to the IKS shall be assigned to the core disciplinary and multidisciplinary courses. The students may be allowed to opt for internship/apprenticeship in any of the disciplines/topics that are part of IKS.

12.3 In addition, University shall ensure to have minimum one/two paper in foundational courses of IKS preferably during the first four semester of UG programme with minimum three/four credit (Three Years/Four Years UG programmes respectively) as a part of Value added Course (VAC).

12.4 The courses under IKS shall be categorized into Foundational Courses (Specialized to IKS) and Elective courses (Discipline Specific) in selected disciplines/multidiscipline.

- Foundational Courses: This will cover the basic knowledge of IKS and it may contain basic knowledge of Indian literature, Culture, Astronomy, Art & Crafts, Architecture, Music etc.

- Elective courses (Discipline Specific): It contains the advanced knowledge pertaining to the specific discipline such as Indian Mathematics and Indian Astronomy. This will be part of Major discipline.

13.SUMMER INTERNSHIP /APPRENTICESHIP (2 – 4 CREDITS)

A key aspect of the new UG programme is induction into actual work situations. All students will also undergo internships / Apprenticeships in a firm, industry, or organization or Training in labs with faculty and researchers in their own or other HEIs/research institutions during the summer term. Students will be provided with opportunities for internships with local industry, business organizations, health and allied areas, local governments (such as panchayats, municipalities), Parliament or elected representatives, media organizations, artists, crafts persons, and a wide variety of organizations so that students may actively engage with the practical side of their learning and, as a by-product, further improve their employability. Students who wish to exit after the first two semesters will undergo a 4-credit work-based learning/internship during the summer term in order to get a UG Certificate.

14.COMMUNITY ENGAGEMENT AND SERVICE:

The curricular component of 'community engagement and service' seeks to expose students to the socio-economic issues in society so that the theoretical learnings can be supplemented by actual life experiences to generate solutions to real-life problems. This can be part of summer term activity or part of a major or minor course depending upon the major discipline.

15.FIELD-BASED LEARNING/MINOR PROJECT:

The field-based learning/minor project will attempt to provide opportunities for students to understand the different socio-economic contexts. It will aim at giving students exposure to development-related issues in rural and urban settings. It will provide opportunities for students to observe situations in rural and urban contexts, and to observe and study actual field situations regarding issues related to socioeconomic development. Students will be given opportunities to gain a first-hand understanding of the policies, regulations, organizational structures, processes, and programmes that guide the development process. They would have the opportunity to gain an understanding of the complex socio-economic problems in the community, and innovative practices required to generate solutions to the identified problems. This may be a summer term project or part of a major or minor course depending on the subject of study.

16. RESEARCH PROJECT/DISSERTATION

Students choosing a 4 Year Bachelor's degree (Honours with Research) are required to takeup research projects under the guidance of a faculty member. The students are expected tocomplete the Research Project in the eighth semester. The research outcomes oftheirrprojectworkmaybepublishedinpeer-reviewedjournalsormaybepresentedinconferences /seminarsor may bepatented.

The principle of calculating credits acquired by a candidate by virtue of relevant

experiential learning including relevant experience and professional levels acquired and attaining proficiency levels (post-completion of an academic grade/ skill-based program) gained by the learner/student in the industry for PG programme is given in the Table below:

Credit Assignment for relevant experience / proficiency

Experience cum Proficiency Levels	Description of the relevant Experiential learning including relevant experience and professional levels acquired and attaining proficiency levels	Weightage/ multiplication Factor	No. of years of experience (Only indicative)
Trained/ Qualification attained	Someone who has completed the coursework/ education/ training and has been taught the skills and knowledge needed for a particular job or activity	1	Less than or equal to 1 year
Proficient	Proficient would mean having the level of advancement in a particular profession, skillset, or knowledge	1.33	More than 1 less than or equal to 4
Expert	Expert means having high level of knowledge and experience in a trade or profession	1.67	More than 4 less than or equal to 7
Master	Master is someone having exceptional skill or knowledge of a subject/domain	2	More than 7

17. OTHER ACTIVITIES

This component shall include participation in activities related to National Service Scheme(NSS), National Cadet Corps (NCC), adult education/literacy initiatives, mentoring schoolstudents,and other similaractivities.

18.MASSIVE OPEN ONLINE COURSE(MOOCS)

MOOC's provide flexibility to learners to switch to alternative modes (offline, ODL, online learning & hybrid mode). O. P. Jindal University Chhattisgarh, as per the guidelines/recommendations received from UGC allows up to 40 percent (40%) of the total courses / credit units being offered in a semester of a programme offered through the SWAYAM/ NPTEL or any other online UGC approved platform.

The university shall develop its guidelines for the implementation of MOOC-based courses. These guidelines outline the process of course selection, credit transfer, and other relevant aspects to ensure a smooth integration of MOOCs into the curriculum.

19.STRUCTURE FOR UNDERGRADUATE PROGRAMME: SEMESTER SYSTEM

As per NEP and guidelines from UGC during the Three-year Bachelor programme/Four-year Bachelorwith Honours/ with Research, students get opportunities for multiple exits and

entries in the programme with earning a Certificate/Diploma/Degree after the completion of the required minimum credit units as per the T**able1**:

* Students exiting the programme after securing 40 credits (Level 5: who will be awarded UG Certificate) or 80 credits (Level 6: who will be awarded UG Diploma) are also required to secure 4 additional credits in work/domain based vocational courses offered during summer term or industrial internship/apprenticeship.

The4-yearBachelor'sdegree programme is considered a preferred option sinceitwouldprovidetheopportunitytoexperiencethefullrangeofholisticandmultidisciplinary education in addition to a focus on the chosen major and minorasper the choiceofthe student (Table 2A & 2B).

Table IIA: Minimum credit requirement to award degree undereach category

Sr. No.	Category of Course	Minimum Credit Requirement	
		3- Years UG Programmes	4- Years UG Programmes
1	Major (Core) Courses	60(50%)	**80 (50%)**
2	Minor (Elective) Courses	24	**32**
3	Multidisciplinary/Interdisciplinary/ Allied Courses	09	**09**
4	AEC (Ability Enhancement Courses)	08	**08**
5	SEC (Skill Enhancement Courses)	09	**09**
6	VAD (Value Added Courses) including Indian Knowledge System (IKS)	06-08	**06-08**
7	Summer Internship	02-04	**02-04**
8	Dissertation/(Research Project)		**12**
	Total Credits	**120**	**160**

Note:- Honours student not undertaking research will do three courses of 12 credits in lieu of a research project/desertation.

Table 2

B: The Semester-wise and Broad Course Category-wise Distribution of credits of the Undergraduate Programme:

Semester	Discipline Specific Courses Core	Minor	Inter-disciplinary Courses	Ability Enhancement courses (Language)	Skill Enhancement courses Internship/ Dissertation	Common Value-Added Courses	Total Credits
I	(100 level)	(100 Level)	(1 course)	(1 course)	(1 course)	(1 or 2 courses)	20
II	(100 level)	(100 Level)	(1 course)	(1 course)	(1 course)	(1 or 2 courses)	20
	Students exiting the programme after securing 40 credits shall be awarded UG Certificate in the relevant Discipline /Subject provided they secure 4 credits in work based vocational courses offered during summer term or internship / Apprenticeship / Skill Enhancement Course in addition to 6 credits from skill based courses earned during first and second semester.						40
III	(200 level)	(200 & above)	(1 course)	(1 course)	(1 course)	-	20
IV	(200 level)	(200 & above) -	--	(1 course)	-		20
	Students exiting the programme after securing 80 credits shall be awarded UG Diploma in the relevant Discipline /Subject provided they secure additional 4 credit in skill based vocational courses offered during first year or second year summer term.						80
V	(300 Level)	(200 & above)	-	-	(Internship)	-	20
VI	(300 Level)	(200 & above)	-	._	..	-	20
	Students who want to undertake 3-year UG programme shall be awarded UG Degree in the relevant Discipline /Subject upon securing 120 credits						120
VII	(400 Level)	(300 & above)	-		-	-	20
VIII	(400 Level)	(300 & above)	-		(Research Project/ Dissertation)		20
	Students shall be awarded UG Degree (Honours) with Research in the relevant						160
	Discipline (Subject provided they secure 160 credits)						

Note:

i. Only the minimum total number of credits in each semester is indicated above. The HEIs may decide the number of credits for each course (e.g., Major, Minor, Multidisciplinary, etc.) to fulfil the minimum number of credit requirements. The HEI may offer additional 10% credit if required.

ii. Students may be permitted to audit course(s) of their choice offered by the HEI provided they meet the pre-requisite for the course.

iii. Minor stream courses can be from the 3rd semester of 300 or above level and 50% of the total credits from minors must be secured in the relevant subject/discipline and another 50% of the total credits from a minor can be earned from any discipline as per students' choice.

iv. Students are not allowed to take the same courses studied in the 12th class under the interdisciplinary category.

v. 40% of the credits in any category may be earned through online courses approved by the University as per the existing UGC regulations.

vi. VIII-Semester core major may be seminar-based with students' presentations and discussions.

vii. Students may be encouraged to enroll in activities such as NSS / NCC.

Structure of PG-Programmes

For2-yearPG:Studentsentering2-yearPGaftera3-yearUGprogrammecanchoosetodo (i) only course work in the third and fourth semester or (ii) course work in the third semesterandresearch inthefourthsemesteror(iii) onlyresearchin thethirdand fourthsemester.

1-year PG: Students entering 1-year PG after a 4-year UG programme can choose to do (i)onlycoursework or (ii) research or(iii) coursework and research.

5-year Integrated Programme (UG+PG):At the PG level, the curricular component of 5-yearintegrated programme will besimilar to that of2-year PG mentionedabove.

CreditDistribution

a) For1-yearPG

CurricularComponents	**PGProgramme(one year) for4-yrUG(Hons./Hons.withResearch) MinimumCredits**

	CourseLevel	Coursework	Researchthesis/project/ Patent	Total Credits
Coursework+Research	500	20	20	40
Coursework	500	40	--	40
Research	-	-	40	

b) For2-yearPG

CurricularComponents		Two-YearPGProgramme(GenericandProfessional) MinimumCredits			
		Course Level	Coursework	Research thesis/project/Patent	TotalCredits
PGDiploma		400	40	--	40
1st Year(1st&2nd Semester)		400 500	24 16	--	40
Studentswhoexitattheendof1st yearshallbeawardedaPostgraduateDiploma					
2nd Year(3rd& 4thSemester)	Coursework &Research	500	20	20	40
	Coursework (or)	500	40	--	40
	Research	--	--	40	40

ExitPoint:

For those who join 2 year PG programmes, there shall only be one exit point.Students whoexitat theend of1styearshall beawarded aPostgraduate Diploma.

ThePGprogrammeshouldincludevocational coursesrelevantto thechosendiscipline.

Levels of Courses:

Courses shall be coded based on the learning outcomes, level of difficulty, and academic rigor. The coding structure is as follows:

i. **0-99:**Pre-requisite courses required to undertake an introductory course which will be a pass or fail course with no credits. It will replace the existing informal way of offering bridge courses that are conducted in some of the colleges/ universities.

ii. **100-199:**Foundation or introductory courses that are intended for students to gain an understanding and basic knowledge about the subjects and help decide the subject or discipline of interest. These courses may also be prerequisites for courses in the major subject. These courses generally would focus on foundational theories, concepts, perspectives, principles, methods, and procedures of critical thinking in order to provide a broad basis for taking up more advanced courses. These courses seek to equip students with the general education needed for advanced study, expose students to the breadth of different fields of study; provide a foundation for specialized higher-level coursework; acquaint students with the breadth of (inter) disciplinary fields in

the arts, humanities, social sciences, and natural sciences, and to the historical and contemporary assumptions and practices of vocational or professional fields; and to lay the foundation for higher level coursework.

iii. **200-299:**Intermediate-level courses including subject-specific courses intended to meet the credit requirements for minor or major areas of learning. These courses can be part of a major and can be pre-requisite courses for advanced-level major courses.

iv. **300-399:**Higher-level courses which are required for majoring in a disciplinary/interdisciplinary area of study for the award of a degree.

v. **400-499:**Advanced courses which would include lecture courses with practicum, seminar-based course, term papers, research methodology, advanced laboratory experiments/software training, research projects, hands-on-training, internship/apprenticeship projects at the undergraduate level or First year Postgraduate theoretical and practical courses.

vi. **500-599:**Courses at first-year Master's degree level for a 2-year Master's degree programme

vii. **600-699:**Courses for second-year of 2-year Master's or 1-year Master's degree programme

viii. **700 -799**& above: Courses limited to doctoral students.

20.NOMENCLATURE OF UNDERGRADUATE PROGRAMMES

The undergraduate degree programmes will be of either 3- or 4-year duration with multiple exit/entry options (Certificate/Diploma/Degree).

The UG programmes offered by the University will be revised with new nomenclature as per the UGC Guidelines.

The Credit requirements for the undergraduate programmes, are given in Table – 1.

21. NOMENCLATURE OF POSTGRADUATE PROGRAMMES

The nomenclature of post-graduate programme/post-graduate diploma programme offered by the university shall be as per the UGC guidelines.

22. ADMISSION PATHS FOR THE POSTGRADUATE PROGRAMME:

a. Studentsshallbeadmittedtoatwo-yearprogrammewiththesecondyeardevotedentirelytoresearchforthosewhohavecompleted thethree-year Bachelor's programme

b. StudentscompletingafOur-yearBachelor'sprogrammewithHonours/ Research,maybeadmitted to a one-yearMaster's programme

c. Theremaybeanintegratedfive-yearBachelor's/Master'sprogramme.

Entry5: Theentry requirement forLevel6.5isABachelor'sDegree(Honours/Research)fortheone-year/two-semesterMaster'sdegreeprogramme.

a. ABachelor's Degreefor thetwo-year/four-semesterMaster'sdegreeprogramme.

b. ABachelor'sDegreefortheone-year/two-semesterPost-GraduateDiplomaprogramme.

c. A programme of study leading to the Master's degree and Post-Graduate Diploma

isopentothosewhohavemettheentrancerequirements,includingspecifiedlevelsofattainment, in the programme admission regulations. Admission to a programme of study isbased on the evaluation of documentary evidence (including the academic record) of theapplicant'sabilityto undertakepostgraduate studyina specialist fieldof enquiry.

Exit 5: For postgraduate programmes, there shall only be one exit point for those who jointhe two-year Master'sprogramme,thatis,atthe endof thefirstyear of the Master'sprogramme.StudentswhoexitafterthefirstyearshallbeawardedthePost-GraduateDiploma.

23. CREDIT REQUIREMENTS OF POSTGRADUATE PROGRAMMES

a. A one-year/two-semester Master's degree programme builds on a Bachelor's degree withHonours/Researchandrequires 40 creditsforindividualswhohavecompleteda Bachelor'sdegreewithHonours/Research.

b. The two-year/four-semester Master's degree programme builds on a Bachelor's degreeand requires a total of 80 credits from both years of the programme, with 40 creditsinthefirst year and 40 credits inthesecond year ofthe programmeat level7.

c. A one-year/two-semester Post-Graduate Diploma programme builds on a Bachelor'sdegree andrequires40creditsforindividualswhohavecompletedaBachelor'sdegree.

*A student shall be allowed to enter/re-enter only at the odd semester and can only exit afterthe even semester. Re-entry at various levels as lateral entrants in academic programmesshouldbebased on the earnedcredits and proficiency test records.

*Thevalidityofcreditsearnedshallbetoamaximumperiodofsevenyearsorasspecifiedby the ABC. The procedure for depositing credits earned, its shelf life, redemption of credits,would be as per UGC (Establishment and Operationalization of Academic Bank of Credits(ABC)scheme in HigherEducation) Regulations,2021.

24.NORMS FOR DURATION, ENTRY LEVEL QUALIFICATION AND STATUTORY RESERVATIONS FOR THE TECHNICAL PROGRAMMES

To make the students employable after every exit, the skill component with progressive enhancement in skills in respective disciplines may be introduced in the curriculum right from the 1st year of the program by the concerned regulatory body/ University/ Technical Board, as the case may be. While allowing exit at the end of first year, institutes may prescribe mandatory skill course module on Technical Communication and Computer Proficiency (Data Entry etc.), Civil / Mechanical Draftsmanship, Electrical maintenance etc.

Sr. No	Academic Level	Entry Level Qualifications	Qualifications at Exit	NCrF Level
1	10th Std.		10th Standard	3.0
2	1st yr. of Diploma	10th Completed	A candidate exits with 10+1 year of Diploma; Certificate of Vocation (C. Voc.)	3.5
3a	12th Std.	Passed 11th std.	12th Standard	4.0
3b	2nd yr. of Diploma	A candidate completing 10+1 year of Diploma (C. Voc.) or equivalent vocational training with level 3.5 or passed 12th std.	A candidate exits with 10+2 years with Diploma of Vocation	4.0
4a	Third yr. of Diploma	A candidate completing 10+2 years with Diploma of Vocation or equivalent vocational training with level 4	Diploma Engg.	4.5
4b	1st yr. of UG Degree	A candidate completing 10+2 years with Diploma of Vocation or passed 12th std. or equivalent vocational training with level 4	UG Certificate	4.5
5	2nd yr. of UG Degree	A candidate with Diploma in appropriate branch of Engineering/ UG Certificate/ Equivalent Vocational or Technical Program level 4.5	UG Diploma (Engg)	5.0
6	3rd yr. of UG Degree	A candidate with 10+3+1/12+2/ UG Diploma (Engg.) in appropriate domain with level 5	B.Voc./ B.Sc	(Engg.)/ UG Degree
7	Final yr. of UG Degree	A candidate with 3 yrs. Bachelor degree in Vocation / B.Sc (Engg.)/ UG Degree with level 5.5	B.E./B. Tech./ UG	Degree (Hons.)
8	1st yr. of PG Degree	A candidate with 4 yrs. Bachelor(level6.00)	PG Diploma/ M.Voc	6.5
9	Final Year of PGDegree	1 year of PG Degree/ PG Diploma/M.Voc(Level 6.5) in appropriate domain	M Tech/ PG Degree (Engg.)/ PG Degree	7.0
10	Ph.D/ Fellow Program	B.Tech. with 75% Marks or equivalent CGPA/ PG		8.0

National Credit Framework (NCrF) for UG & PG Courses in Engineering Students who exit after 2nd year of B.Tech. course must undergo skill modules on IT/Hardware Networking / METLAB or Branch specific skill module. Course structure at 3rd year and 4th year of B.Tech. is already Engineering specific, students who exit after 3-years may be awarded UG Degree/ B. Voc/ B.Sc(Engg.).

For Diploma students who exit after 1st year, Certificate of Vocation (C.Voc.) and who exit after 2nd year Industrial Training Certificate (ITC)/ Diploma of Vocation may be awarded.

At each entry level, University shall identify the educational gaps/ skill gaps and suitable bridge courses may be offered.
Specialization shall be as per the respective regulatory bodies issued from time to time.

25.ATTENDANCE

Requirement of attendance will be as per University Ordinance governing the examinations. In general, attendance of at least seventy-five percent will be required in each course to appear in the end semester examination.

For special reasons such as prolonged illness deficiency in the percentage of attendance in each course may be condoned by the Vice Chancellor on the recommendation of the concerned Dean.

26. EXAMINATION AND EVALUATION

Evaluation shall be based oncontinuous assessment, in which the progress review exam and the terminal examination will contributeto the final grade. Progress review will consist of class tests, mid-semester examination(s),homework assignments, etc., as determined by the faculty in charge of the courses of study in consultation with the concerned Dean.Progress towards achievement of learning outcomes will be assessed using the following:time-constrainedexaminations;closed-bookandopen-booktests;problem-basedassignments;practicalassignmentlaboratoryreports;observationofpracticalskills;individualprojectreports(case-studyreports);teamprojectreports;oralpresentations, including seminar presentation;viva voce interviews;computerizedadaptive assessment,examinationon demand,modular certifications, etc.

Each course will correspond to an examination paper comprising of external and internalevaluations. The semester end theory examinations for Major, Minor, Open/Generic and DSC(Discipline specific Course) vocational, value added, SEC (Skill Enhancement Course)
andAEC(AbilityEnhancementCourse)willbeofadurationaspromulgatedthroughtheexamination's regulations approved by the Academic Council of the University. The creditstructure for theory/Practical/tutorial, internal, external examinations and total marks for anexamination shall be as per the programme structure approved by the Academic Council oftheUniversity as perUGC norms.
Studentsshallacquireaminimumpassingmarkininternalandexternalexaminationsseparately to

be declared as pass in the respective courses, as prescribed by the Academic Council.

26.1 The academic performance of a candidate shall be evaluated in respect of the courses of study prescribed for each semester through the evaluation. The evaluation of students admitted in the programme shall be based on

26.1.1 End Semester Examinations - 70% marks of total marks and

26.1.2 Progress Review Exam - 30% of total marks

26.2 The End Semester examinations will be held as per the academic calendar notified by the University and the duration of end semester examination shall be of two or three hours.

26.3 The minimum percentage of marks to pass the programme in each semester shall be 40% in each course comprising of end semester examinations and progress review exam.

26.4 A programme shall have a specified number of credits in each semester. The number of credits along with grade points that the student has satisfactorily cleared shall measure the performance of the student.

26.5 Semester examination results shall have the following categories:

26.5.1 Passed, i.e., those who have passed in all courses of the semester examination in internal and external examination separately.

26.5.2 Promoted, i.e., those who have earned minimum 50% of credits in a particular year including both the semesters (even and odd) or those who have earned any number of credit in odd semester.

26.5.3 Detained, i.e., those who are not promoted as per the above provisions will be detained. Such students have to appear in the examination of next academic session to earn required credits (excluding the credits already earned) as per the provisions of this ordinance and only then he/she may continue the programme within stipulated period as per the provisions of this ordinance.

26.6 However, a student of any semester who has been detained/ not appeared in examination due to less attendance/ not applied for examination/ applied but not appeared shall be out from the programme. Such a student has to take admission in the next session as an ex-student through the procedure adopted/notified by the University.

27.Continuous Internal Assessment

27.1 Progress review exam (Continuous Internal Assessment) shall be of 30% marks of total marks allotted for the course.

27.2 The components for continuous internal assessment for each course will be decided by the Board of Studies of concerned subject.

27.3 Continuous Internal assessment shall be carried forward in case of promoted students, there shall not be any provision of conducting internal assessment tests for such students at any circumstances.

28. Evaluation and Certification of MOOCS And VocationalCourses:

The guidelines of the University/SWAYAM portal/UGC shall be followed for evaluationandcertificationofMOOCs,VocationalCourses,FieldProjects/Internship/Apprenticeship/Community engagementand service/Research Project.

29. LetterGradesand GradePoints

The Semester Grade Point Average (SGPA) is computed from the grades as a measure of thestudent's performance in a given semester. The SGPA is based on the grades of the currentterm, while the Cumulative GPA (CGPA) is based on the grades in all courses taken afterjoining theprogrammeof study.

The HEIs may also mention marks obtained in each course and a weighted average of marksbasedon marksobtainedinall thesemesterstakentogetherfor thebenefit of students.

Table-3: Grading System

LetterGrade	GradePoints	Description	RangeofMarks (%)
O	10	Outstanding	>90 to <=100
A+	9	Excellent	>80 to <=90
A	8	VeryGood	>70 to <=80
B+	7	Good	>60 to <=70
B	6	AboveAverage	>50 to <=60
C	5	Average	>40 to <=50
P	4	Pass	=40
F	0	Fail	<40
Ab	0	Absent	Absent

Computation of SGPA and CGPA

UGCrecommendsthefollowingproceduretocomputetheSemesterGradePointAverage(SGPA)and CumulativeGradePoint Average(CGPA):

i. TheSGPAistheratioofthesumoftheproductofthenumberofcreditswiththegradepointsscored by a student in all the courses taken by a student and the sum of the number of creditsofall the courses undergonebyastudent, i.e.

SGPA(Si)=∑(CixGi)/∑Ci

WhereCiisthenumberofcreditsoftheithcourseandGiisthegradepointscoredbythestudentin the ith course.

ExampleforComputationofSGPA

Semester	Course	Credit	LetterGrade	Gradepoint	(CreditxGrade)
1	Course1	3	A	8	3 x8=24
1	Course1	4	B +	7	4 x7=28
1	Course1	3	B	6	3 x6=18
1	Course1	3	O	10	3 x10 = 30
1	Course1	3	C	5	3 x5=15
1	Course1	4	B	6	4 x6=24
		20			139
SGPA					139/20=6.95

ii. TheCumulativeGradePointAverage(CGPA)isalsocalculatedinthesamemanner takingintoaccountallthecoursesundergonebyastudentoverallthesemestersofaprog ramme,i.e.

CGPA=∑(CixSi) /∑Ci

whereSiistheSGPAof theithsemesterandCiisthetotalnumberofcreditsinthatsemester.

ExampleforComputation of CGPA

Semester1	Semester2	Semester3	Semester4
Credit20 SGPA6.9	Credit20 SGPA7.8	Credit20 SGPA5.6	Credit20 SGPA6.0
CGPA=(20 x6.9 +20x7.8+20x5.6 +20x6.0)/80 = 6.6			

The SGPA and CGPA shall be rounded offto2decimal pointsandreportedin thetranscripts.

Oncompletingallrequirementsfortheawardoftheundergraduatecertificate/diploma/ degree, the CGPA shall becalculated, and this value shall be indicated on thecertificate /diploma/degree. The 3-years (6 semester) and 4-years (8 semester) undergraduatedegreesshouldalso indicate theDivisionobtainedas per**Table 4**:

Table 4: Distribution of Divisions

Division	Criterion
First division with distinctions	Thecandidatehasearnedminimumnumberofcreditsfortheaward of thedegreewith CGPAof7.5 orabove
Firstdivision	Thecandidatehasearnedminimumnumberofcreditsrequired for the award of the degree with CGPA of 6.0abovebut less than 7.5
Second Division	Thecandidatehasearnedminimumnumberofcreditsrequired for the award of the degree with CGPA of 4.5 orabovebut less than 6.00
Third Division	Thecandidatehasearnedminimumnumberofcreditsrequired for the award of the degree with CGPA of 4.00 or abovebut less than 4.5

Note: The conversion of CGPA into percentage shall be as followed to facilitate its application inother academic matters.

Equivalent Percentage = CGPA×10. The percentage shall be rounded off up to the seconddecimal point.

The candidate shall be awarded a certificate/diploma/degree when he/she successfullyearnstheminimum required credits forthecertificate/diploma/degree.

30. Promotion Rule

30.1 A Student shall be promoted and may take admission in the 2nd semester immediately after the 1st semester end examination irrespective of any number of back papers.

30.2 A student may take admission in the 3rd semester provisionally, immediately after the 2nd semester end examination and his/her admission shall be confirmed and she/he will be promoted to the 3rd semester provided he/she has earned minimum 50% credits including both 1st and 2nd semesters.

30.3 A student shall be promoted and may take admission in the 4th semester immediately after the 3rd semester irrespective of any number of back papers in 3rd semester.

30.4 A Student may take admission in the 5th semester provisionally, immediately after the 4th Semester examination and his/her admission shall be confirmed and he/she will be promoted to the 5th semester provided he/she has earned minimum 50% credits including both 3rd and 4th semesters, Further student must clear all the papers of 1st and 2nd semesters.

30.5 A student shall be promoted and may take admission in the 6th semester immediately after the 5th semester with any number of back papers.

30.6 Examinations of back papers of odd semesters shall be conducted along with odd semesters end examinations, similarly examinations of back papers of even semesters shall be conducted along with even semester end examinations.

30.7 Further, a special examination of the 5th semester shall be conducted along with the 6th semester for the students who have cleared all the papers till 4" semester.

30.8 A special examination of the 6th semester shall be conducted after the declaration of end semester result; those students having back papers only in the 6th semester shall be eligible to appear in this special examination.

30.9 A student may take admission in the 7th semester (Fourth year of UG) only after clearing all the semesters up to the 6th semester.

30.10 A student will be promoted and may take admission in 8th semester (Fourth year of UG) provisionally, immediately after the 7th semester examination irrespective of number of back papers in the 7th semester. Further, a special examination of the 7th semester shall be conducted along with the 8th semester for clearing the back papers of 7th semester.

30.11 A special examination of the 8th semester shall be conducted soon after declaration of the semester results. Any student having back papers in 8th semester shall be eligible to appear in this special examination.

30.12 A student may choose Honours course in the fourth year before the commencement of the fourth year by applying for the same, in a manner laid down for the same. A four-year UG Honours degree in the major discipline will be awarded to those who complete a four-year degree programme with greater or equal to 160 credits as per Table 5.

30.13 Further students who secure 75% marks or above or equivalent 7.5 CGPA in the first six semesters and wish to undertake research at the undergraduate level can choose a research stream in the fourth year. They should do a research project or dissertation under the guidance of a faculty member of the department. The research project/dissertation will be in the major discipline. The research outcomes of their project work may be published in peer-reviewed journals or may be- presented in conferences/ seminars or may be patented.

30.14 In case a student is detained or not promoted to higher semester, he/she will be held up till the backlog papers are cleared for which he/she can take attempt in the next appropriate examination provided that the same is done within the maximum duration allowed for the programme. Continuous internal assessment marks of such students will be carried forward for the corresponding course in which he/she is appearing.

30.15 For counting 50% credits both theory as well as practical courses shall be considered and 0.5 shall be rounded up.

31. ISSUE OF TRANSCRIPTS

Based on the recommendations on Letter grades, grade points and SGPA and CGPA, theuniversity shall issue the transcript for each semester and a consolidated transcript indicatingtheperformanceinall semesters.

32. CREDIT TRANSFER

32.1 The credit transfer shall be implemented as per the policy of the University framed inaccordancewith theguidelines issued by theUGCfrom timeto time.

32.2 The member institutions of the Academic Bank of Credit established vide UniversityGrants Commission (Establishment and Operation of Academic Bank of Credits in HigherEducation) Regulations 2021 shall accept and transfer the credits as perthe provisions ofthisregulation as amended from timeto time.

32.3 Except for the cases of provisional promotions, the university shall facilitate credittransfer of students between them However, the student may be required to fulfil someeligibility criteria, drawing parity for a course, framed by the University in which the studentseeksadmission.

33. If any question arises relating to the interpretation of the provisions of this ordinance,itshall bereferred totheBoardofManagementfor discussionand recommendations.

34. The guidelines, related to this programme, issued from time to time by the statutorybodies e.g.,UGC or any other relevant regulatory bodyshall beadoptedfor implementation.

35. In matters not covered under this Ordinance, general rules and regulations of theUniversityshall beapplicable.

36. If UGC notifies any change in future in its Regulations in this regard, the same shall beincorporatedintheexistingOrdinancewiththeapprovalbytheAcademicCouncilandBoard ofManagement ofthe University.

37. Notwithstanding the above, the University shall ensure that the study programmeleadingtodegree/diploma/certificate shallconfirm,tothe standardsetbythe relevantregulationsand norms ofthe UGC or therelevantstatutory body.

38. General

38.1 There shall not be any provision for repeat or improvement of the programme, once student has cleared it.

38.2 There shall not be any provision of revaluation. However, re-totaling is permissible as per the University rule.

38.3 Exit options shall be available only at the end of even semesters and entry options shall he available only in the beginning of odd semesters with the prevailing

syllabus.

38.4 If the candidate appears for 2nd semester end examination and discontinued for 3rd semester and wishes to take admission for 4th semester in future, such candidates shall not be allowed for 4th semester. Such candidate shall again seek admission to 3rd semester as per University regulation. This is also applicable to other odd semesters.

38.5 Any points related to NHEQF not covered under this ordinance shall be as prescribed by the University through its ordinance/regulation/guidelines from time to time.

38.6 If any question arises related to the matters not covered in the ordinance, the relevant provisions made in the ordinance/ statutes of the university or UGC shall be applicable.

38.7 Any points related to ABC and multiple entry and exit which are not covered in this ordinance shall be dealt with as per the regulations of the University in accordance with the provisions of UGC guidelines/ regulations issued by, from time to time.

39. In case of any dispute on interpretation of the ordinance, the English version shall beconsideredas binding.

40. The existing ordinances related to the programme mentioned in this ordinance shall be repelled with the implementation of this ordinance from the session 2024-25.

Table 5
Table: Sample UGCF for Multidisciplinary Course of Study

Semester	Core (DSC)	Elective (DES)	Generic Elective (GE)	Ability Enhancement Course (AEC)	Skill Enhancement Course (SEC)	Internship/ Apprenticeship /Project (2)	Value addition Course (VAC)	Total Credits
I	Discipline A-1(4) Discipline B-1(4) Discipline C-1(4)		Choose one from a pool of courses GE-1 (4)	Choose one from a pool of AEC courses (2)	Choose one from a pool of courses (2)		Choose one from a pool of courses (2)	**22 Credits**
II	Discipline A-2(4) Discipline B-2(4) Discipline C-2(4)		Choose one from a pool of courses GE-2 (4)	Choose one from a pool of AEC courses (2)	Choose one from a pool of courses (2)		Choose one from a pool of courses (2)	**22 Credits**
Students on exit shall be awarded undergraduate certificated (in the Field of Multidisciplinary study) after securing the requisite 44 credits in semester I and II								**Total = 44**

						Credits
III	Discipline A-3(4) Discipline B-3(4) Discipline C-3(4)	Choose one from a pool of courses DSE A/B/C (4) Or Choose one from a pool of courses GE-3(4)	Choose one from a pool of AEC courses (2)	**Choose one SEC OR** Internship/Apprenticeship/Project/community outreach **(2)**	Choose one from a pool of courses (2)	**22 Credits**
IV	Discipline A-4(4) Discipline B-4(4) Discipline C-4(4)	Choose one from a pool of courses DSE A/B/C (4) Or Choose one from a pool of courses GE-4(4)	Choose one from a pool of AEC courses (2)	**Choose one SEC OR** Internship/Apprenticeship/Project/community outreach **(2)**	Choose one from a pool of courses (2)	**22 Credits**
Students on exit shall be awarded undergraduate certificated (in the Field of Multidisciplinary study) after securing the requisite 88 credits on completion of semester IV						**Total = 88 Credits**
V	Discipline A-5(4) Discipline B-5(4) Discipline C-5(4)	Choose one from a pool of courses DSE A/B/C (4)	Choose one from a pool of courses GE-5(4)		**Choose one SEC OR** Internship/Apprenticeship/Project/community outreach **(2)**	**22 Credits**
VI	Discipline A-6(4) Discipline B-6(4) Discipline C-6(4)	Choose one from a pool of courses DSE A/B/C (4)	Choose one from a pool of courses GE-6(4)		**Choose one SEC OR** Internship/Apprenticeship/Project/community outreach **(2)**	**22 Credits**
Students on exit shall be awarded Bachelor of (in the Field of Multidisciplinary study) after securing the requisite 132 credits on completion of semester VI						**Total = 132 Credits**
VII	DSC-(4)	Choose three DSE (3x4) courses **OR** Choose two DSE (2x4) and one GE(4) course **OR** Choose one DSE and two GE(4) courses **OR** All three GE 7,8 & 9 (Total=12)			Dissertation on Major (4+2) **OR** Dissertation on Minor (4+2) **OR** Academic project/Entrepreneurship(4+2)	**22 Credits**
VIII	DSC-(4)	Choose three DSE (3x4) courses **OR** Choose two DSE (2x4) and one GE(4) course **OR** Choose one DSE and two GE(4) courses **OR** All three GE 10,11 & 12 (Total=12)			Dissertation on Major (4+2) **OR** Dissertation on Minor (4+2) **OR** Academic project/Entrepreneurship(4+2)	**22 Credits**
Students on exit shall be awarded Bachelor of (in the Field of Multidisciplinary study) (Honours or Honours with Academic Project/Entrepreneurship) after securing the requisite 176						**Total = 176 Credits**

****

University Logo

SAMPLE COPY FOR FIRST TO FIFTH

ANNEXURE-S-1

Logo in water mark
-------- Name of the University ---------

GRADE SHEET

Name of the Institute
Address of the Institute
Name of the Programme

Batch	Year
Enrollment No.	Roll No.
Name of the Student	Examination
Father's/Husband's Name	**Mother's Name**

Programme Code	**Programme Title**	**Credits**	**Grade**	**Grade Point**	**Credit Points (Credits x Grade Point)**
	Programme 1	6	A	8	48
	Programme 2	6	C	5	30
	Programme 3	4	B+	7	28
	Programme 4	4	O	10	40
TOTAL		20	-		146
SGPA		146/20			7.30

*Grade in Repeat Examination

RESULT SEMESTER WISE					
SEMESTER	**I**	**II**	**III**	**IV**	**V**
TOTAL CREDITS					
OBTAINED CREDITS					
ADDITIONAL CREDITS					
SGPA					
ATTEMPT					
RESULT					

*SGPA Semester Grade Point Average
CGPA Cumulative Grade Point Average Equivalent Percentage = CGPAx10

Date of Result **Registrar / Controller Examination**

University Logo

SAMPLE COPY FOR SIXTH

ANNEXURE-S-2

Logo in water mark

-------- Name of the University ---------

GRADE SHEET

Name of the Institute
Address of the Institute
Name of the Programme

Batch 2021-25	Year
Enrollment No.	Roll No.
Name of the Student	Examination
Father's/Husband's Name	**Mother's Name**

Programme Code	Programme Title	Credits	Grade	Grade Point	Credit Points (Credits x Grade Point)
	Programme 1	6	A	8	48
	Programme 2	6	C	5	30
	Programme 3	4	B+	7	28
	Programme 4	4	O	10	40
TOTAL		20	-		146
SGPA		146/20			7.30

*Grade in Repeat Examination

RESULT SEMESTER WISE					
SEMESTER	**I**	**II**	**III**	**IV**	**V**
TOTAL CREDITS					
OBTAINED CREDITS					
ADDITIONAL CREDITS					
SGPA					
ATTEMPT					
RESULT					

FINAL RESULT PASS			
Total Credits	**CGPA**	**EQUIVALENT PERCENTAGE**	**DIVISION**

CGPA Cumulative Grade Point Average Equivalent Percentage = CGPAx10

Date of Result **Registrar / Controller Examination**

SAMPLE COPY FOR SEVENTH SEMESTER

ANNEXURE-S-3

University Logo

Logo in water mark

-------- Name of the University ---------

GRADE SHEET

Name of the Institute
Address of the Institute
Name of the Programme

Batch 2021-25	Year
Enrollment No.	Roll No.
Name of the Student	Examination
Father's/Husband's Name	**Mother's Name**

Programme Code	Programme Title	Credits	Grade	Grade Point	Credit Points (Credits x Grade Point)
	Programme 1	6	A	8	48
	Programme 2	6	C	5	30
	Programme 3	4	B+	7	28
	Programme 4	4	O	10	40
TOTAL		20	-		146
SGPA		146/20			7.30

*Grade in Repeat Examination

RESULT SEMESTER WISE					
SEMESTER	**I**	**II**	**III**	**IV**	**V**
TOTAL CREDITS					
OBTAINED CREDITS					
ADDITIONAL CREDITS					
SGPA					
ATTEMPT					
RESULT					

FINAL RESULT PASS			
Total Credits	**CGPA**	**EQUIVALENT PERCENTAGE**	**DIVISION**

SGPA Semester Grade Point Average

CGPA Cumulative Grade Point Average Equivalent Percentage = CGPAx10

Date of Result **Registrar / Controller Examination**

University Logo

SAMPLE COPY FOR EIGHTH

ANNEXURE-S-4

Logo in water mark

-------- Name of the University ---------

GRADE SHEET

Name of the Institute

Address of the Institute

Name of the Programme

Batch 2021-25				Year	
Enrollment No.				Roll No.	
Name of the Student				Examination	
Father's/Husband's Name				**Mother's Name**	
Programme Code	Programme Title	Credits	Grade	Grade Point	Credit Points (Credits x Grade Point)
	Programme 1	6	A	8	48
	Programme 2	4	C	5	20
	Programme 3	10	B+	7	70
TOTAL		20	-		138
SGPA		138/20			6.90

*Grade in Repeat Examination

RESULT SEMESTER WISE					
SEMESTER	**I**	**II**	**III**	**IV**	**V**
TOTAL CREDITS					
OBTAINED CREDITS					
ADDITIONAL CREDITS					
SGPA					
ATTEMPT					
RESULT					

SGPA Semester Grade Point Average

FINAL RESULT PASS			
Total Credits	**CGPA**	**EQUIVALENT PERCENTAGE**	**DIVISION**

CGPA Cumulative Grade Point Average Equivalent Percentage = CGPAx10

Controller of Examination **Registrar**

संचालक, मुद्रण तथा लेखन सामग्री, छत्तीसगढ़ द्वारा शासकीय मुद्रणालय, रायपुर से मुद्रित तथा प्रकाशित – 2024.